सब का सपना

निष्पक्ष व निडर- हिंदी दैनिक समाचार पत्र

अक्षर पटेल से छिन सकती है टी20 टीम की उप-कप्तानी, एशिया कप 2025 से पहले इसे मिलेगा मौका -पेज: 7

ऐश्वर्या से तलाक के बाद मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं धनुष -पेज: 8

वर्ष: 01 | अंक: 124 | मंगलवार 12 अगस्त 2025 | अमरोहा (उत्तर प्रदेश) | www.sabkasapna.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 2 रुपए

वोटर लिस्ट विवाद: विपक्ष का संसद से मार्च, पुलिस ने राहुल गांधी समेत कई नेताओं को हिरासत में लिया

नई दिल्ली (एजेंसी): विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी" के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर से मार्च निकाला। हालांकि पुलिस ने उन्हें संसद मार्ग पर ही रोक दिया तथा बाद में हिरासत में ले लिया। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में विपक्ष के नेता एवं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा और कई विपक्षी सांसदों को हिरासत में लिया गया। हिरासत में लिए गए नेताओं को संसद मार्ग थाने ले जाया गया, जहां पुलिस ने उन्हें कुछ देर बाद छोड़ दिया। राहुल गांधी ने कहा, सच्चाई देश के सामने है। यह लड़ाई राजनीतिक नहीं है, यह संविधान को बचाने की लड़ाई है, ह्यएक व्यक्ति एक वोट' की लड़ाई है। हम एक साफ-सुथरी और सही मतदाता सूची चाहते हैं।" खरगे ने एक्स' पर पोस्ट किया, भाजपा की कायराना तानाशाही

विपक्षी दलों के सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और कथित वोट चोरी" के खिलाफ सोमवार को संसद भवन परिसर से मार्च निकाला।

नहीं चलेगी। ये जनता के वोट के अधिकार को बचाने की लड़ाई है। यह लोकतंत्र को बचाने का संघर्ष है। इंडिया' गठबंधन के साथी संविधान की धज्जियां उड़ाने वाली इस भाजपाई साज़िश को बेनकाब करके ही रहेंगे।" सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पुलिस के रोके जाने के बाद बैरीकेड फांदकर दूसरी तरफ चले गए। उन्होंने कहा, हम वोट बचाने के लिए बैरिकेड फांद रहे हैं। जिन लोगों ने वोट काटे हैं, उनके खिलाफ चुनाव आयोग को कार्रवाई करनी चाहिए। 18 हजार वोटों को मतदाता सूची से हटाया था, जिनकी सूची मैंने खुद दी है। आयोग ने हलफनामा मांगा, हमने दे दिया। हर किसी को मतदान करने का अवसर मिलना चाहिए।" संसद के मकर द्वार के सामने मार्च शुरू करने से पहले विपक्षी सांसदों ने राष्ट्रगान गाया। इससे पहले परिवहन भवन के पास पीटीआई बिल्डिंग के सामने रोके जाने पर सांसद सड़क पर ही बैठक गए और वोट चोरी बंद करो" जैसे नारे लगाने लगे। उधर पुलिस अधिकारियों को लाउड स्पीकर पर सांसदों को रोकने के संबंध में घोषणा करते सुना गया। तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा और सागरिका घोष, कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि और संजना जाटव पुलिस द्वारा लगाए गए बैरिकेड पर खड़ी हो गईं और उन्होंने सरकार के खिलाफ नारे लगाए। इस मार्च में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक और कई अन्य दलों के नेता शामिल हैं। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह भी पर मार्च का हिस्सा बने। आप ने हाल में इंडिया' गठबंधन से अलग होने की घोषणा की थी। सांसदों ने सिर पर सफेद रंग की टोपी पहन रखी थी जिस पर एसआईआर' और वोट चोरी' लिखा था तथा उन पर लाल रंग के क्रॉस का निशान भी था। मार्च शुरू होने से पहले दिल्ली पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि किसी ने भी इस प्रदर्शन के लिए अनुमति नहीं मांगी थी। राहुल गांधी द्वारा मतदाता सूची में कथित धांधली का आरोप लगाए जाने और इस संबंध में कुछ खुलासे करने का दावा किए जाने के बाद विपक्षी दलों का यह पहला विरोध प्रदर्शन है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बेंगलुरु के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र के आंकड़े सामने रखते हुए सात अगस्त को आरोप लगाया था कि मतदाता सूची में हेरफेर करके वोट चोरी" का मॉडल भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को फायदा पहुंचाने के लिए

उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? विधानसभा में समाजवादी पार्टी पर योगी का तंज

लखनऊ (एजेंसी): उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश विधानसभा सत्र के पहले दिन समाजवादी पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सपा और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। सदन को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि समाजवादी पार्टी और लोकतंत्र एक ही नदी के दो अलग-अलग छोर हैं। उन्हें लोकतंत्र पर भरोसा कब से होने लगा? लोकतंत्र की बात करना उन्हें शोभा नहीं देता। संभल में उन्होंने क्या किया, यह सबको पता है। राज्य भर के उदाहरणों का हवाला देते हुए योगी ने कहा कि चाहे संभल हो, बहराइच हो या गोरखपुर, सपा के कुकर्मों के बारे में सबको पता है। उन्होंने अपने कार्यकाल में कुछ नहीं किया। अगर एनडीए सरकार विकास करना चाहती है, तो आपको (समाजवादी पार्टी को) बुरा लग रहा है। हम पूरे प्रदेश के व्यापारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं। सपा शासन में व्यापारियों पर गुंडा टैक्स लगाया जाता था। अपनी आलोचना जारी रखते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी वजह से व्यापारी आपसे नाराज हैं और समाजवादी पार्टी को इसका खामियाजा बार-बार भुगतना पड़ रहा है। व्यापारियों के विकास के लिए कदम उठाने के बजाय, उन्होंने (समाजवादी पार्टी ने) उनकी राह में रोड़े ही अटकाए हैं।

देश विरोधी ताकतों के दबाव में हैं राहुल गांधी, शिवराज ने ईसी पर आरोपों को लेकर कांग्रेस नेता पर कसा तंज

भोपाल (एजेंसी): केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को चुनाव आयोग पर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के आरोपों की कड़ी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। एक पोस्ट शेयर करते हुए, चौहान ने कहा कि इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहा है और संवैधानिक संस्थाओं के साथ छेड़छाड़ कर रहा है। केंद्रीय मंत्री ने लिखा, "राहुल गांधी जी राष्ट्र-विरोधी ताकतों के दबाव में हैं। वह और इंडिया ब्लॉक लोकतंत्र को बदनाम कर रहे हैं, उसकी धज्जियाँ उड़ा रहे हैं और संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा के साथ छेड़छाड़ कर रहे हैं।" राहुल गांधी के पिछले आरोपों को याद करते हुए, चौहान ने कहा कि ईवीएम के बाद, वह बिहार में विशेष गहन

पुनरीक्षण (एसआईआर) पर सवाल उठाने लगे हैं और उन पर अराजकता फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा कि राहुल गांधी बार-बार झूठ बोल रहे हैं और अराजकता फैलाना चाहते हैं। उन्होंने चुनाव आयोग, सुप्रीम कोर्ट और कैग को बदनाम किया है। उन्होंने सेना के पराक्रम पर सवाल उठाए और जब सेना ने तथ्य पेश किए, तो उन्हें चुप करा दिया गया। उन्होंने बिना सबूत के ईवीएम पर सवाल उठाए, फिर सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद ईवीएम को छोड़ दिया और अब एसआईआर पर आ गए हैं। इसके अलावा, केंद्रीय मंत्री ने कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना और अन्य राज्यों में विपक्ष की चुनावी जीत पर सवाल उठाए। शिवराज ने आगे कहा कि मैं राहुल जी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) गठबंधन के नेताओं से पूछना चाहता हूँ: - क्या कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण जीती? - क्या तेलंगाना, तमिलनाडु और झारखंड में चुनाव आयोग की गलतियों के कारण सरकारें बनीं? - क्या राहुल जी, प्रियंका जी और अखिलेश यादव जी भी मतदाता सूची में अनियमितताओं के कारण चुनाव जीते? शिवराज सिंह चौहान की यह टिप्पणी बिहार में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान "मतदाता धोखाधड़ी" के आरोपों को लेकर चुनाव आयोग के खिलाफ सोमवार को इंडिया ब्लॉक के विरोध मार्च के बीच आई है।

संयुक्त उम्मीदवार उतारेगा भारत ब्लॉक, मल्लिकार्जुन खड़गे ने सहयोगियों से साधा संपर्क

नई दिल्ली (एजेंसी): विपक्षी इंडिया गुट ने आगामी उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए एक संयुक्त उम्मीदवार उतारने का फैसला किया है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे संभावित नामों पर चर्चा करने और आम सहमति बनाने के लिए सहयोगी दलों से संपर्क कर रहे हैं। गुट के सूत्रों का कहना है कि एक मजबूत राय है कि परिणाम चाहे जो भी हो, एक ठोस राजनीतिक संदेश देने के लिए उन्हें चुनाव लड़ने से पीछे नहीं हटना चाहिए। हालाँकि अभी तक कोई व्यवस्थित चर्चा नहीं हुई है, लेकिन सहयोगियों के बीच गुप्त बातचीत चल रही है। हालाँकि अधिकांश सदस्य एकजुट मोर्चा बनाने पर सहमत हैं, लेकिन विपक्षी खेमे के कुछ लोगों का मानना है कि भाजपा द्वारा अपने उम्मीदवार की घोषणा के बाद ही अपने उम्मीदवार

की घोषणा करना बुद्धिमानी होगी। यह कदम भारतीय ब्लॉक पार्टियों के बीच एक नए सिरे से एकजुटता के प्रदर्शन के बीच उठाया गया है, जिन्होंने हाल ही में बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण को चुनौती देने और भाजपा-चुनाव आयोग के "वोट चोरी मॉडल" का विरोध करने का संकल्प लिया है। गुरुवार को, 25 विपक्षी दलों के शीर्ष नेताओं ने राहुल गांधी द्वारा आयोजित एक रात्रिभोज में भाग लिया। यह जून 2024 के बाद से उनकी पहली व्यक्तिगत बैठक थी, जब वे लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर मिले थे। बैठक में, गांधी ने बड़े पैमाने पर मतदाता सूची में हेराफेरी के अपने दावों को रेखांकित करते हुए एक प्रस्तुति दी। उपस्थित लोगों में सोनिया गांधी, एनसीपी-एसपी प्रमुख शरद पवार, एनसी नेता फारूक अब्दुल्ला, पीडीपी की महबूबा मुफ्ती, एसपी के अखिलेश यादव, आरजेडी के तेजस्वी यादव, टीएमसी के अभिषेक बनर्जी, शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे, डीएमके के तिरुचि शिवा और टीआर बालू, सीपीआई (एम) के एम ए बेबी, सीपीआई के डी राजा, सीपीआई (एमएल) के दीपांकर भट्टाचार्य और एमएनएम प्रमुख कमल हासन शामिल थे। कांग्रेस महासचिव (संगठन) के सी वेणुगोपाल ने इसे ब्लॉक की सबसे सफल बैठकों में से एक बताया, हालाँकि उन्होंने कहा कि उपराष्ट्रपति चुनाव पर "ज्यादा चर्चा" नहीं हुई। खड़गे सोमवार को इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए एक और रात्रिभोज का आयोजन भी करने वाले हैं।

बैरिकेड कूदकर निकले अखिलेश यादव, सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

नई दिल्ली (एजेंसी): सोमवार को विपक्षी दल के सांसदों ने चुनाव आयोग के खिलाफ प्रदर्शन किया और बिहार चुनाव आयोग के विरोध में संसद भवन स्थित मकर द्वार से निर्वाचन सदन स्थित चुनाव आयोग कार्यालय तक मार्च निकाला। हालांकि, दिल्ली पुलिस ने परिवहन भवन में बैरिकेड्स लगाकर मार्च को रोक दिया। इस बीच, अखिलेश यादव समेत कई नेताओं की तस्वीरें सामने आईं, जिनमें वे कई बैरिकेड्स कूदते हुए दिखाई दिए। फिलहाल उनका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इंडिया ब्लॉक के सांसद चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और 2024 के लोकसभा चुनावों के दौरान "वोट चोरी" के आरोपों पर अपना विरोध दर्ज कराने के लिए संसद से चुनाव आयोग के कार्यालय तक मार्च निकालने की कोशिश की। हालांकि,

पुलिस ने उन्हें रोक लिया। पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, संजय राउत और सागरिका घोष सहित अन्य भारतीय ब्लॉक सांसदों को हिरासत में ले लिया, जो एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे थे और संसद से भारत के चुनाव आयोग तक मार्च निकाल रहे थे। राहुल गांधी ने कहा कि हकीकत ये है कि वो बात नहीं कर सकते। सच्चाई देश के सामने है। ये लड़ाई राजनीतिक नहीं है। ये लड़ाई संविधान बचाने की है। ये लड़ाई एक व्यक्ति, एक वोट के लिए है। हम साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहते हैं। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाद्रा ने कहा कि हिम्मत हुई है। सरकार कायर है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि जब तक लोगों के मन में चुनावों की निष्पक्षता को लेकर संदेह है, तब तक चुनाव आयोग की विश्वसनीयता को नुकसान पहुँच रहा है। अगर ये संदेह दूर हो जाते हैं, तो चुनाव आयोग की विश्वसनीयता फिर से हासिल की जा सकती है। चुनाव आयोग का अपना हित इन सवालों का समाधान करने में है।

सांसदों के लिए 184 नए फ्लैटों का उद्घाटन, पीएम मोदी बोले- कुछ लोग को 'कोसी' में बिहार चुनाव दिखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी): प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को दिल्ली के बाबा खड़क सिंह मार्ग पर सांसदों के लिए नवनिर्मित 184 टाइप-सातवीं बहुमंजिला फ्लैटों का उद्घाटन किया। इस परियोजना का उद्देश्य सांसदों के लिए पर्याप्त आवास की तीव्र कमी को दूर करना और ऊर्ध्वाधर आवास प्रारूप में आधुनिक, पर्यावरण-अनुकूल आवास प्रदान करना है। उद्घाटन के एक भाग के रूप में, प्रधानमंत्री ने परिसर में सिंदूर का पौधा लगाया, निर्माण कार्य में शामिल श्रमजीवियों से बातचीत की और उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। इस दौरान मोदी ने कहा कि अभी कुछ ही दिन पहले मैंने कर्तव्य पथ ओर सामान्य केंद्रीय सचिवालय यानी कर्तव्य भवन का लोकार्पण किया था। आज मुझे संसद में अपने सहयोगियों के लिए इस रिहायशी कॉम्प्लेक्स के उद्घाटन का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि इन 4 टावर्स के नाम भी बहुत सुंदर हैं। कृष्णा, गोदावरी, कोसी, हुगली, भारत की चार महान नदियां, जो करोड़ों

लोगों को जीवन देती हैं। अब उनकी प्रेरणा से हमारे जन प्रतिनिधियों के जीवन में भी आनंद की नई धारा बहेगी। विपक्ष पर तंज कसते हुए मोदी ने कहा कि कुछ लोगों को परेशानी भी होगी। कोसी नदी पर नाम रखा है, तो उनको कोसी नदी नहीं दिखेगी, उनको बिहार का चुनाव नजर आएगा। ऐसे छोटे मन के लोगों के मन की परेशानियां भी दिखेंगी। नदियों के नामों की परंपरा देश की एकता के सूत्र में हमें बांधती है। उन्होंने कहा कि हमारे सांसद साथी जिस नए आवास में प्रवेश करेंगे, अभी मुझे उसका एक नमूना फ्लैट देखने का भी मौका मिला। मुझे पुराने सांसद आवासों को देखने का मौका भी मिलता रहा है। पुराने आवास जिस तरह बदहाली का शिकार होते थे, सांसदों को जिस तरह आए दिन परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नए आवासों में गृह प्रवेश के बाद उनसे मुक्ति मिलेगी। सांसद साथी अपनी समस्याओं से मुक्त रहेंगे, तो वो अपना समय और अपनी ऊर्जा और बेहतर तरीके से जनता की समस्याओं के समाधान में लगा पाएंगे। दिल्ली में नवनिर्मित टाइप सातवीं आवास के बारे में सब कुछ नए टाइप-सातवीं आवासीय परिसर को एक आत्मनिर्भर सुविधा के रूप में डिजाइन किया गया है, जो सांसदों की आवासीय और आधिकारिक, दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित है। राजधानी में सीमित भूमि उपलब्धता के कारण वर्टिकल हाउसिंग पर जोर दिया गया है। इसका उद्देश्य दीर्घकालिक रखरखाव लागत को कम रखते हुए भूमि उपयोग को अनुकूलित करना था। एक सरकारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रत्येक फ्लैट में लगभग 5,000 वर्ग फुट का कारपेट एरिया है, जिसमें कार्यालयों, कर्मचारियों के आवास और आवासीय उद्देश्यों के लिए

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में नया इनकम टैक्स बिल 2025 पेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी): केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा में इनकम टैक्स बिल, 2025 का रिवाइज्ड वर्जन पेश किया, जिसमें भाजपा नेता बैजयंत पांडा की अध्यक्षता वाली संसदीय चयन समिति द्वारा की गई अधिकांश सिफारिशों को शामिल किया गया है। ड्राफ्टिंग के नेचर, वाक्यांशों के अलाइनमेंट, परिणामी परिवर्तनों और क्रॉस रेफरेंसिंग में सुधार किए गए हैं लोकसभा में विधेयक पेश करते हुए वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि सुझाव प्राप्त हुए हैं, जिन्हें सही विधायी अर्थ प्रदान करने के लिए शामिल किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा, ड्राफ्टिंग के नेचर, वाक्यांशों के अलाइनमेंट, परिणामी परिवर्तनों और क्रॉस रेफरेंसिंग में सुधार किए गए हैं। भ्रम से बचने के लिए पहले वाले बिल को वापस ले लिया गया था उन्होंने आगे कहा कि भ्रम से बचने के लिए पहले वाले बिल को वापस ले लिया गया था। उन्होंने कहा कि रिवाइज्ड बिल निष्पक्षता और स्पष्टता में सुधार करेगा और कानून को मौजूदा प्रावधानों के अनुरूप बनाएगा। नए ड्राफ्ट का उद्देश्य सांसदों को एक सिंगल, अपडेटेड वर्जन प्रदान करना है, जो सभी सुझाए गए परिवर्तनों को दशार्ता है। अपडेटेड इनकम टैक्स बिल 2025 में संसदीय चयन समिति के

285 सुझाव शामिल हैं अपडेटेड इनकम टैक्स बिल 2025 में संसदीय चयन समिति के 285 सुझाव शामिल हैं। नए कानून का उद्देश्य कर प्रक्रियाओं को सरल बनाना और पिछली कमियों को दूर करना है, जिससे देश में आयकर परिदृश्य में संभावित रूप से बदलाव आ सकता है। पिछले सप्ताह, इनकम टैक्स बिल, 2025 को सरकार ने औपचारिक रूप से वापस ले लिया, जिसे 13 फरवरी को लोकसभा में

रिवाइज्ड बिल में सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं संसदीय समिति ने कई ड्राफ्टिंग एरर को फ्लैग किया था और अस्पष्टता को कम करने के लिए संशोधनों का सुझाव दिया था।

मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 के स्थान पर पेश किया गया था। नया कानून पारित होने के बाद, भारत के दशकों पुराने कर स्ट्रक्चर को सरल बनाएगा, कानूनी उलझनों को कम करेगा इस कानून की समीक्षा के लिए जिम्मेदार संसदीय चयन समिति के अध्यक्ष पांडा के अनुसार, नया कानून, पारित होने के बाद, भारत के दशकों पुराने कर स्ट्रक्चर को सरल बनाएगा, कानूनी उलझनों को कम करेगा और व्यक्तिगत करदाताओं तथा एमएसएमई को अनावश्यक मुकदमेबाजी से बचने में मदद करेगा। वर्तमान इनकम टैक्स एक्ट, 1961 में 4,000 से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं और इसमें 5 लाख से ज्यादा शब्द हैं पांडा के अनुसार, वर्तमान इनकम टैक्स एक्ट, 1961 में 4,000 से ज्यादा संशोधन हो चुके हैं और इसमें 5 लाख से ज्यादा शब्द हैं। यह बहुत जटिल हो गया है। नया बिल इसे लगभग 50 प्रतिशत तक सरल बनाता है, जिससे आम करदाताओं के लिए इसे पढ़ना और समझना कहीं अधिक आसान हो जाता है। रिवाइज्ड बिल में सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं संसदीय समिति ने कई ड्राफ्टिंग एरर को फ्लैग किया था और अस्पष्टता को कम करने के लिए संशोधनों का सुझाव दिया था। सरकार के अनुसार, रिवाइज्ड बिल में सभी करदाताओं को लाभ पहुंचाने के लिए स्लैब और दरों में व्यापक बदलाव किए गए हैं। नए स्ट्रक्चर से मिडिल क्लास के करों में कमी आएगी और उनके हाथों में अधिक पैसा बचेगा, जिससे घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

संपादकीय

देर से जागे एयर चीफ

पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए पाकिस्तान को सबक सिखाया जा चुका है। भारत पाकिस्तान के संघर्ष की बातें हम भांति-भांति से सुन चुके हैं। लगता है सब अपने-अपने हिस्से का ह्यसचह्न बताने की रणनीति पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री, गृह मंत्री, रक्षा मंत्री संसद में बयान दे चुके हैं। रक्षा अधिकारी बता चुके हैं कि पाकिस्तान की बैंड भारत ने कैसे बजाई। लेकिन लगता है जैसे हमारे वायु सेना प्रमुख जरा देर से जागे हैं। उन्होंने ऐसी बात बताई है जो आज तक कोई नहीं बता पाया था। बाकी सब लोग पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों के ध्वस्त होने और कई एयर फील्ड तबाह कर देने तक तो पहुंचे थे लेकिन एयर चीफ मार्शल अमरप्रीत सिंह ने शनिवार को जो कहा वह सबसे अलग है। उन्होंने बताया कि भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान के पांच लड़ाकू विमानों और एक बड़े विमान को मार गिराया था। गिराया गया सबसे बड़ा विमान तो 300 किमी. दूर से निशाना बनाया गया जो भारत द्वारा सतह से हवा में मार गिराने का अब तक का सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। एलएम कात्रे स्मृति व्याख्यान में उन्होंने बताया कि बड़ा विमान एयरबोर्न वॉर्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम भी हो सकता है। सिंह ने कहा कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर भारतीय वायुसेना ने हवाई क्षेत्र पर हमला करने का निर्णय लिया। सुकर एयरबेस की तबाही के चित्र दिखाते हुए उन्होंने तमाम बबार्दी की पुष्टि की। वायुसेना ने यूएबी हैंगर और रडार स्थल पर हमला किया। एडब्ल्यूसी हैंगर पर फिर से हमला किया गया। सरगोधा के बारे में वायुसेना चीफ ने कहा, संयोग से मुझे अपनी सेवानिवृत्ति से पहले यहां कुछ कर दिखाने का मौका मिल गया। भारत की एस-400 वायु रक्षा प्रणाली पासा पलटने वाली साबित हुई। एस-400 प्रणाली की वजह से पाकिस्तान भारतीय वायु रक्षा प्रणाली को भेद नहीं सका। उनके अनुसार सीडीएस का पद सैन्य अभियानों में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव लेकर आया है। एयर चीफ ने ऑपरेशन सिंदूर में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल की भूमिका पर भी प्रकाश डाला जिससे अन्य एजेंसियों और सुरक्षा बलों को एक साथ लाने में मदद मिली। लगता है कि वायुसेना चीफ अभी बताना नहीं चाह रहे हों कि गिराए गए लड़ाकू विमानों में कितने एफ 16 विमान थे। एफ 16 की क्षति अमेरिका के गर्व को चूर करती है। ट्रंप का भारत विरोधी रुख इसी का नतीजा भी हो सकता है। लेकिन सवाल उठता है कि सिंह ने यह बात बताने में इतनी देर क्यों कर दी।

चिंतन-मनन

जीवन के चार आधार

सुसंस्कारिता के चार आधार हैं- समझदारी, ईमानदारी, जिम्मेदारी और बहादुरी। इन्हें आध्यात्मिक-आंतरिक वरिष्ठता की दृष्टि में उतना ही महत्वपूर्ण माना जाना चाहिए जितना शरीर के लिए अन्न, जल, वस्त्र और निवास अनिवार्य समझा जाता है। समझदारी का अर्थ है- दूरदर्शी विवेकशीलता अपनाना। आमतौर से लोग तात्कालिक लाभ को सब कुछ मानते हैं और उसे पाने के लिए कोई गलत कदम उठाने में भी संकोच नहीं करते। इससे भविष्य अंधकारमय बन जाता है।

अपराधी तत्वों में से अधिसंख्य इसी मनोवृत्ति के होते हैं। दूरदर्शिता, विवेकशीलता उस अनुभवी किसान की गतिविधियों जैसी हैं, जिनके अनुसार खेत जोतने, बीज बोने, खाद पानी देने, रखवाली करने में आरंभिक हानि और कष्ट सहने को शिरोधार्य किया जाता है। दूरदर्शिता बताती है कि इसका प्रतिफल उसे समयानुसार मिलने ही वाला है। एक बीज के दाने के बदले कई गुना दाने मिलने वाले हैं। संयम और सत्कार्य ऐसी ही बुद्धिमत्ता है। पुण्य परमार्थ में भविष्य को उज्वल बनाने वाली संभावनाएं निहित हैं। संयम का प्रतिफल वैभव और पौरुष के रूप में दृष्टिगत होने ही वाला है। दूरबीन के सहारे दूर तक की वस्तुओं को देखा जा सकता है और उस जानकारी के आधार पर अधिक बुद्धिमत्तापूर्ण निर्णय लिया जा सकता है। अध्यात्म की भाषा में इसी को तृतीय नेत्र खुलना कहते हैं, जिसके आधार पर विपत्तियों से बचना और उज्वल भविष्य की संभावनाओं का सृजन संभव है।

कथनी-करनी को एक सा रखना ईमानदारी है। सहयोग व सद्भाव अर्जित करने के लिए ईमानदारी प्रमुख आधार है। इसे अपने व्यवसाय में अपनाकर अनेक लोगों ने छोटी स्थिति से उठकर बड़ी सफलता पाई है। बड़े उत्तरादायित्वों को उपलब्ध करने और उसका निर्वाह करने में ईमानदार ही सफल होते हैं। सुसंस्कारिता का तीसरा पक्ष है- जिम्मेदारी। गैर जिम्मेदार उत्तरदायित्वों से निर्लज्जतापूर्वक इंकार कर सकते हैं,पर जिम्मेदार लोगों को अपने उत्तरदायित्वों का नियमबद्ध होकर समय पर निर्वाह करना पड़ता है।

आवश्यकता है

आवश्यकता है दैनिक सब का सपना समाचार पत्र को उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ब्लॉक स्तर, तहसील स्तर व जिला स्तर पर संवाददाताओं की इच्छुक अभ्यर्थी संपर्क करें या व्हाट्सएप करें।

9456884327/8218179552

कुत्तों और बंदरों का आतंक, गंगवार में ग्रहणी की मौत

मुजाहिद चौधरी एडवोकेट

सवाल यह है कि हिंसक हो रहे सांडों से, बंदरों के बढ़ते आतंक से और इंसानी जिस्मों को नोंचते खूंखार कुत्तों से कौन निजात दिलाएगा ???
आखिर जनता की रक्षा करने की जिम्मेदारी किसकी है ?
इस संवेदनहीनता या लापरवाही के लिए कौन ज़िम्मेदार है शासन या सरकार ?
गौशालाओं की तरह बंदरों के लिए भी आश्रय स्थल की स्थापना आवश्यक...

हसनपुर/ अमरोहा(सब का सपना) जावेद चौधरी :- जनपद के ग्राम गंगवार में बंदर द्वारा एक ग्रहणी को धमकाने से छत से गिरने पर हुई दर्दनाक मौत ने एक बार फिर बंदरों के बढ़ते हुए आतंक तथा प्रशासनिक लापरवाही और संवेदनहीनता की पोल खोल दी है । और सबसे दुखद पहलू यह है की ना तो कृषि विभाग,ना ही स्वास्थ्य विभाग,ना ही पशुपालन विभाग और ना ही स्थानीय अथवा जिला प्रशासन द्वारा मृतका के परिजनों से संपर्क किया गया ना ही उनके द्वारा कोई शोक संवेदना ही व्यक्त की गई । 14 दिन तक अस्पताल में वेंटिलेटर पर तड़पने के बावजूद आखिर उस महिला की असामायिक मौत हो गई । सवाल ये है कि उस मौत के लिए कौन जिम्मेदार है ? हालांकि ऐसा नहीं है कि बंदरों का आतंक, सांडों की हिंसा और कुत्तों के हमले किसी एक क्षेत्र का मामला हो, यह समस्या तकरीबन हर क्षेत्र की, हर ग्राम की है । कहीं यह समस्या कम है तो कहीं ज्यादा और कहीं इसका विकराल रूप देखने को मिल रहा है । अमरोहा जनपद की बात की जाए तो यहां ये तीनों समस्याएं विकराल रूप धारण कर चुकी हैं । प्रशासन और सरकार जनता की समस्या का निराकरण करने में अक्षम हैं । किसान संगठन निरंतर सांडों के आतंक से निजात दिलाने की मांग करते रहे हैं । ग्रामीण बंदरों के आतंक से छुटकारा दिलाने के लिए ज्ञापन देते रहते हैं तथा शिकायत करते रहते हैं । वहीं कुत्तों से मासूम पर हो रहे हमले भी निरंतर जारी हैं । चिंता का विषय यह है कि पहले बंदर खेतों में नुकसान नहीं करते थे, लेकिन पिछले कई महीनों से देखने में आया है कि अब बंदरों के झुंड के झुंड खेतों में घुस जाते हैं और फसलों को बर्बाद करते हैं । फसलों की रक्षा करने वाले किसानों पर आक्रमण भी कर देते हैं । किसानों द्वारा शिकायत करने पर प्रशासन कोई कार्रवाई नहीं करता और किसान स्वयं अपनी फसल की रक्षा करने हेतु कोई सुरक्षात्मक कार्यवाही नहीं कर पाता । सांडों का, बंदरों का और कुत्तों का आतंक निरंतर बढ़ता जा रहा है और सरकार तथा प्रशासन की ओर से इन समस्याओं के निराकरण हेतु प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। इस संबंध में गौशालाओं के साथ-साथ सांडों तथा बंदरों के लिए भी आश्रय स्थल स्थापित किए जाने की बहुत आवश्यकता है। कृषि विभाग, चिकित्सा विभाग, पशु कल्याण विभाग को संयुक्त रूप से अभियान चलाकर शहरों और ग्रामों में हिंसक हो रहे सांडों से, बंदरों के बढ़ते आतंक से और इंसानी जिस्मों को नोंच-नोंचकर खाने वाले खूंखार कुत्तों से निजात दिलाने हेतु शीघ्र ही एक संयुक्त योजना बनाया जाना और उस पर कार्यवाही किया जाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है । उल्लेखनीय है कि सांडों ने प्रदेश में अब तक सैकड़ों किसानों की जानें ले ली हैं । बंदरों द्वारा हमला करने में,बंदरों से डर कर जान गंवाने वालों की संख्या भी सैकड़ों के आसपास पहुंच गयी है, वहीं खूंखार कुत्तों ने भी नोच नोच कर मासूम महिलाओं, बच्चों सहित सैकड़ों इंसानों को अपना शिकार बनाया है। क्षेत्रीय अखबारों में निरंतर अपने प्रकाशित होती रहती हैं । लेकिन ना तो सरकार कोई कार्रवाई करती है और ना ही प्रशासन की ओर से कोई पहल होती है । जनता बेचारी असहाय है क्योंकि जब समय आता है तो वह धर्मांध होकर अथवा जातिवाद की आंधी में बह कर अपना मतदान करती है । और जो जनप्रतिनिधि चुनकर सरकार बनाते हैं, जीतने के बाद वह जनता की उन समस्याओं को भूल जाते हैं और जनता उन समस्याओं के निराकरण के लिए निरंतर इंतजार करती रहती है । यह लोकतांत्रिक प्रक्रिया का खुला दुरुपयोग है । जरूरत इस बात की है कि गौशालाओं के लिए पर्याप्त सुविधाओं व आवश्यकता अनुसार वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने तथा गौशालाओं की तरह बंदरों के लिए आश्रय स्थल की स्थापना कराया जाना भी आवश्यक है । तभी बंदरों के बढ़ते आतंक से निजात संभव है ।

मुजाहिद चौधरी एडवोकेट
स्तंभ लेखक विष्लेषक कवि
हसनपुर, अमरोहा

मतदाता सूची : पारदर्शिता और निष्पक्षता की दरकार

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

लोकतंत्र का आधार चुनाव कराना ही नहीं, बल्कि चुनाव ऐसे कराना है कि इसकी निष्पक्षता, पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर जनता का भरोसा बना रहे।

हाल में लोक सभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा चुनाव आयोग पर लगाए गए आरोपों ने देश की चुनावी प्रक्रिया पर बहस को नये मोड़ पर ला खड़ा किया है। यह केवल राजनीतिक विवाद नहीं, बल्कि लोकतंत्र की जड़ों को प्रभावित करने वाला गंभीर मसला है, जिसे न केवल राजनीतिक, बल्कि संवैधानिक और संस्थागत दृष्टि से भी परखना आवश्यक है।

राहुल ने अपने आरोपों में दावा किया है कि 2024 के आम चुनाव में बड़े पैमाने पर मतदाता सूचियों में फर्जी नाम जोड़े गए और असली मतदाताओं के नाम गलत तरीके से काटे गए। कांग्रेस पार्टी का कहना है कि महाराष्ट्र, हरियाणा, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में भी यह प्रवृत्ति देखने को मिली है। विपक्ष का आरोप है कि यह सब भारतीय जनता पार्टी को चुनावी लाभ देने के उद्देश्य से किया गया जिससे मतदाता सूची में हेरफेर कर परिणामों को प्रभावित किया जा सके। चुनाव आयोग ने इन आरोपों को खारिज करने की बजाय ह्यहलफनामाह्न देने को कहा है।

कर्नाटक समेत तीन राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे संबंधित मतदाताओं के नाम दें जिन पर आरोप है कि उनके नाम फर्जी तरीके से जोड़े या काटे गए हैं। आयोग का कहना है कि इन दावों की सटीक जांच के लिए तथ्यों और ठोस प्रमाण की आवश्यकता है, महज आरोप पर्याप्त नहीं। आयोग का यह रु ख जहां नियम-सम्मत प्रतीत होता है, वहीं विपक्ष के आरोपों की गंभीरता को देखते हुए इनकी जांच में तत्परता और पारदर्शिता की मांग भी उतनी ही महत्त्वपूर्ण हो जाती है। विवाद केवल आंकड़ों और आरोपों का खेल नहीं है, बल्कि लोकतंत्र के मूल 'एक व्यक्ति, एक वोट' के सिद्धांत से भी जुड़ा है। यदि वाकई एक मतदाता के नाम पर कई वोट दर्ज हैं, तो यह सीधे-सीधे मतदान प्रक्रिया की पवित्रता का उल्लंघन है।

मतदाता सूची का सही और अद्यतन होना चुनाव की निष्पक्षता की पहली शर्त है। राहुल और विपक्षी दलों के आरोप फर्जी नाम जोड़ने तक सीमित नहीं हैं, बल्कि वे चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाते हैं। उनका कहना है कि आयोग मतदाता सूची में गड़बड़ी दूर करने के लिए आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक उपायों को पूरी तरह लागू नहीं कर रहा है। उदाहरणतः आयोग द्वारा घर-घर जाकर मतदाता सत्यापन प्रक्रिया शुरू की गई परंतु इसमें भी पारदर्शिता और जवाबदेही की कमी के आरोप लगते रहे हैं। कई बार फील्ड अधिकारियों पर राजनीतिक दबाव की आशंका जताई जाती है, जिससे गलत नाम सूची में बने रहते हैं, और सही नाम हटा दिए जाते हैं।

चुनावी पारदर्शिता पर चर्चा करते समय तकनीकी पहलुओं को भी अनदेखा नहीं किया जा सकता। विपक्षी दलों का आरोप है कि आयोग चुनाव प्रक्रिया की निगरानी में पारदर्शिता नहीं बरत रहा। जैसे कि मतदान के बाद वीवीपैट पर्चियों की गिनती सीमित प्रतिशत में करना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित नहीं रखना और मतदान केंद्रों से ईवीएम की आवाजाही के दौरान पर्याप्त सुरक्षा उपायों का अभाव। ये सभी ऐसे बिंदु हैं, जो जनता के मन में शंका पैदा करते हैं। चुनाव परिणाम की विश्वसनीयता पर भी असर डालते हैं।

उल्लेखनीय है कि आयोग द्वारा मतदाता सूची संबंधी डेटा को ऐसे प्रारूप में जारी नहीं किया जाता जो आसानी से विश्लेषण के लिए उपयुक्त हो। इसके कारण राजनीतिक दलों और नागरिक संगठनों को जांच-पड़ताल में कठिनाई होती है। यदि डेटा पारदर्शी और उपयोगी प्रारूप में उपलब्ध हो, तो स्वतंत्र संस्थाएं और मीडिया भी चुनावी प्रक्रिया पर निगरानी रख सकते हैं, और गड़बड़ी पकड़ने में मदद कर सकते हैं। इस पूरे विवाद का सबसे संवेदनशील पहलू है संस्थागत विश्वास का क्षरण। चुनाव आयोग जैसी संस्था का भरोसा केवल उसकी संवैधानिक वैधता पर नहीं, बल्कि उसकी निष्पक्षता और पारदर्शिता पर टिका होता है। यदि जनता का विश्वास इससे उठने लगे तो लोकतंत्र की नींव ही हिल सकती है। यही कारण है

कि राहुल के आरोपों को राजनीतिक बयानबाजी मान कर टालना पर्याप्त नहीं, बल्कि इनकी निष्पक्ष और स्वतंत्र जांच होना आवश्यक है।

इस मुद्दे का समाधान राजनीतिक बहस से नहीं, बल्कि ठोस प्रशासनिक और कानूनी कदमों से ही संभव है। चुनाव आयोग को चाहिए कि मतदाता सूचियों का थर्ड-पार्टी ऑडिट कराए, तकनीकी साधनों से डुप्लीकेट और फर्जी नामों की पहचान करे, और परिणामों को सार्वजनिक करे। मतदाता सत्यापन प्रक्रिया में जनता की भागीदारी भी बढ़ाई जाए। वीवीपैट गिनती के दायरे को बढ़ाना, सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखना और ईवीएम की सुरक्षा को और मजबूत बनाना भी जरूरी है। लोकतंत्र की आत्मा तभी सुरक्षित रह सकती है, जब जनता का चुनाव प्रक्रिया में विश्वास रहे।

ममता की टकराव की राजनीति से कमजोर होगा कानून का शासन

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने ठान लिया है कि हरहाल में केंद्र सरकार और स्वायत्त संवैधानिक संस्थाओं का विरोध करना है। सीमा संबंधी विवादों में जिस तरह पाकिस्तान और चीन से भारत का टकराव रहता है, ठीक ऐसी ही हालत ममता बनर्जी के नेतृत्व में पश्चिम बंगाल की हो गई है। ममता का बस चले तो अदालतों के निर्णयों को भी नहीं माने, किन्तु अवमानना के भय से मानना मजबूरी बन गई है। विवादों की इसी श्रृंखला में केंद्रीय चुनाव आयोग से टकराव की एक कड़ी ओर जुड़ गई है। ममता बनर्जी ने चुनाव आयोग के निर्देश पर चार अफसरों को निलंबित करने से किया इंकार कर दिया।

निर्वाचन आयोग ने मतदाता सूची तैयार करने में कथित चूक को लेकर राज्य सरकार के चार अधिकारियों और एक डाटा एंट्री ऑपरेटर को निलंबित करने का निर्देश दिया था। ममता ने चुनाव आयोग के इस कदम की वैधता पर सवाल उठाया और आयोग पर भारतीय जनता पार्टी के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि हम उन्हें निलंबित नहीं करेंगे। ममता ने निर्वाचन आयोग को भाजपा का बंधुआ मजदूर करार देते हुए कहा कि वे अमित शाह और बीजेपी के एजेंट के रूप में काम कर रहे हैं। चुनाव आयोग से इस टकराव से कुछ दिनों पहले अवैध बांग्लादेशियों की शिनाख्त और उन्हें वापस भेजे जाने के मुद्दे को लेकर भी ममता सरकार ने इसी तरह का रुख अख्तियार किया था।

अल्पसंख्यक वोट बैंक को हरहाल में अपनी तरफ रखने के प्रयासों के तहत ममता बनर्जी ने बांग्लादेशियों के मुद्दे पर दिल्ली पुलिस की तरफ से भेजे गए पत्र में भाषा और शब्दों पर आपत्ति जताई थी। दिल्ली पुलिस ने वैध दस्तावेजों के बगैर भारत रह रहे 8 संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिकों की गिरफ्तारी के संबंध में बंग भवन के कार्यालय प्रभारी को एक पत्र लिखा था। ममता बांग्लादेशी शब्द लिखने पर भड़क गई। उन्होंने केंद्र की भाजपा सरकार को बंगाल विरोधी तक करार दे दिया। इस पर भाजपा आईटी सेल के हेड अमित मालवीय ने ममता बनर्जी को भाषाई संघर्ष भड़काने के लिए, शायद राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत भी जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। वोट बैंक के लिए ममता बनर्जी की तुष्टिकरण का ही परिणाम है कि मुर्शिदाबाद में वक्फ कानून के खिलाफ प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़क गई थी, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

केंद्रीय एजेंसियों और स्वायत्तशाषी संस्थाओं से पश्चिम

बंगाल की मुख्यमंत्री के टकराव की फेहरिस्त काफी लंबी है। वर्ष 2019 में लोकसभा चुनाव के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय ने भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा के डायमंड हार्बर में हुए रोड शो के दौरान पथराव और हमले में सुरक्षा चूक को लेकर पश्चिम बंगाल डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी से जवाब तलब किया था। राज्य सरकार ने कोरोना का हवाला देकर दोनों अधिकारियों को भेजने से इंकार कर दिया। इससे पहले केंद्र ने जेपी नड्डा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे तीन आईपीएस अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजने का निर्देश दिया था। राज्य सरकार ने कहा था कि पश्चिम बंगाल में पहले से ही आईपीएस अधिकारियों की संख्या काफी कम है। ऐसे में तीन अधिकारियों को डेप्युटेशन पर भेजना संभव नहीं है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अम्फान तूफान प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने के दौरान प्रोटोकाल की परवाह किए बगैर ममता बनर्जी बैठक में शामिल नहीं हुई। देश के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ जब सबसे बड़ी जांच एजेंसी के पांच अधिकारियों को राज्य की पुलिस ने हिरासत में ले लिया गया। शारदा चिट फंड घोटाले की जांच कर रही सीबीआई टीम कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार के घर पहुंची। पुलिस कमिश्नर के घर पर तैनात गार्ड ने सीबीआई टीम को अंदर आने से रोक दिया। पुलिस सीबीआई के रिजनल दफ्तर पहुंची।

पुलिस ने सीबीआई के पांच अधिकारियों को हिरासत में भी ले लिया। सीबीआई की कार्रवाई के विरोध में ममता बनर्जी मेट्रो चैनल के पास धरने पर बैठ गईं। देश में संवैधानिक ढांचे का ऐसा मजाक शायद ही किसी राज्य में उड़ाया गया हो, जहां भारतीय सिविल सेवा का अधिकारी धरने पर शामिल हुआ हो। सिविल सेवा के अधिकारी होते हुए कोलकाता पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार अपने घर से बाहर निकले और ममता बनर्जी के साथ धरने पर बैठे। ममता की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता जगह-जगह प्रदर्शन किए। कई जगह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पुतले फूंके गए और हावड़ा-हुगली में ट्रेन को रोक दिया गया। इसके अलावा देश में राज्यपाल और मुख्यमंत्री के संबंधों में कटुता की पश्चिमी बंगाल में सारी हदें पार हो गई। विधानसभा के वषार्कालीन अधिवेशन के दौरान राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ ने अभिभाषण के मसौदे में से कुछ हिस्सों को बदलने की मांग की। लेकिन सरकार ने इससे साफ इंकार कर दिया। ममता बनर्जी और उनकी पार्टी ने राज्यपाल धनखड़ पर जैन हवाला मामले में शामिल होने और हरियाणा में विवेकाधीन कोटे से जमीन का अवैध आवंटन कराने के मामले में शामिल होने का आरोप लगाया। राजभवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में राज्यपाल ने ममता के इस आरोप को निराधार करार दिया। राज्यपाल धनखड़ और ममता सरकार के बीच अभिभाषण पर भी विवाद बढ़ गया।

देश के राजनीतिक इतिहास में ऐसा पहले कभी किसी भी राज्य की सरकार ने नहीं किया, जो ममता ने वैधानिक परंपराओं को तिलांजलि देते हुए कर दिखाया। सरकार ने अभिभाषण का मसौदा राजभवन भेजा। लेकिन राज्यपाल धनखड़ ने यह कहते हुए इसमें बदलाव की मांग की कि इसमें लिखी बातों और जमीनी हकीकत में भारी अंतर है। लेकिन उसके बाद ममता बनर्जी ने फोन पर राज्यपाल को बताया कि अब इसमें बदलाव संभव नहीं है। राज्य मंत्रिमंडल ने इस अभिभाषण को अनुमोदित कर दिया। राज्यपाल जगदीप धनखड़ पश्चिम बंगाल में चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा को लेकर ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर लगातार हमलावर मुद्रा में रहे। इसके अलावा उन्होंने मुकुल रॉय के बीजेपी छोड़कर टीएमसी में शामिल होने के बाद दल-बदल कानून को सख्ती से लागू करने की बात कही थी। टीएमसी नेताओं का कहना है कि राज्यपाल सरकार के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। साथ ही कुछ दिन पहले राजभवन में हुई कुछ नियुक्तियों को लेकर भी राज्यपाल जगदीप धनखड़ पर आरोप लगाए गए थे।

पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी के मुख्यमंत्री बनने के बाद से ही सभी राज्यपालों से संबंध कटुतापूर्ण रहे हैं। धनखड़ के बाद राज्यपाल बने सीवी आनंद बोस के साथ विवाद इतना बढ़ गया कि मामला हाईकोर्ट तक जा पहुंचा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने यह बयान दिया था कि राज्यपाल के खिलाफ हालिया आरोपों के कारण महिलाएं पश्चिम बंगाल में राजभवन में प्रवेश करने में सुरक्षित महसूस नहीं कर रही हैं। कलकत्ता हाई कोर्ट ने मुख्यमंत्री और तीन अन्य को राज्यपाल सीवी आनंद बोस के खिलाफ कोई भी अपमानजनक या गलत बयान देने से रोक दिया।

पश्चिमी बंगाल का चुनावी इतिहास भी सर्वाधिक रक्तरंजित रहा है। चुनावी हिंसा का कलंक कभी बिहार और उत्तरप्रदेश पर था। इसके बाद पश्चिमी बंगाल देश में पहले स्थान पर है। पश्चिम बंगाल में मुख्यमंत्री ममता के नेतृत्व वाली राज्य सरकार जिस तरह हर मुद्दे पर केंद्र और संवैधानिक संस्थाओं से टकराव मोल ले रहीं हैं, उससे यही लगता है कि देश की संवैधानिक व्यवस्था में उनका विश्वास नहीं रहा है, जबकि देश में दूसरे राज्यों में गैरभाजपा सरकारों पर पश्चिमी बंगाल की तरह व्यवस्था से खिलवाड़ करने की ऐसे बड़े उदाहरण देखने को नहीं मिलते। सत्ता को बरकरार रखने के लिए ममता बनर्जी द्वारा उठाए गए कदम निश्चित तौर पर देश की एकता-अखंडता और कानूनी शासन को कमजोर करेंगे।

पुलिस अधीक्षक द्वारा हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट में 90% अंक से अधिक अर्जित करने वाले मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

अमरोहा (सब का सपना):- वामा सारथी, उत्तर प्रदेश पुलिस फैमिली वेलफेयर एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में सोमवार को पुलिस कार्यालय अमरोहा में शिक्षण सत्र 2024-25 के दौरान उल्लेखनीय शैक्षणिक उपलब्धि हासिल करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं के सम्मान में समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अमित कुमार आनंद द्वारा हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट परीक्षाओं में 90% से अधिक अंक अर्जित करने वाले उत्तर प्रदेश पुलिस विभाग में सेवारत अधिकारियों/कर्मचारियों के बच्चों –1 कु. सुहानी राणा स्कूल- डी.पी.एस. एनटीपीसी विद्युत नगर, गौतमबुद्धनगर – 97% प्रतिशत अंक 2 प्रशांत स्कूल- पी.एम.एस. पब्लिक स्कूल, मुरादाबाद 94.4% प्रतिशत अंक 3 कु. आश्चर्य स्कूल- सेंट मेरी स्कूल, मुरादाबाद 90.6% प्रतिशत अंक 4 इशान शहजाद स्कूल- सेंट मेरी कॉन्वेंट स्कूल, अमरोहा 93.2% प्रतिशत अंक प्राप्त किये किये जिनको प्रशस्ति पत्र व उपहार आदि भेंट कर सम्मानित किया। पुलिस अधीक्षक द्वारा विद्यार्थियों को परिश्रम, अनुशासन और निष्ठा को जीवन का मूल मंत्र अपनाकर निरंतर उत्कृष्टता की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा अभिभावकों के योगदान को भी हृदय से सराहा। कार्यक्रम के दौरान पुलिस अधि0/कर्मचारी, परिजन व बच्चें उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

अमरोहा देहात पुलिस द्वारा जुआ खेल रहे 06 अभियुक्तों को किया गया गिरफ्तार

कब्जे से 14450/-रुपए नकद व ताश के पत्त बरामद

अमरोहा (सब का सपना):- पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनन्द द्वारा अपराध एवं अपराधियो के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अमरोहा अखिलेश भदौरिया के निकट पर्यवेक्षण व क्षेत्राधिकारी नौगाँवा सादात अवध भान सिंह भदोरिया व प्रभारी निरीक्षक बालेन्द्र सिंह थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा के पर्यवेक्षण में थाना अमरोहा देहात पुलिस द्वारा गांव मीरा सराय में रूपयों से हार-जीत की बाजी लगाकर जुआ खेल रहे 06 अभियुक्त 1.सन्नी पुत्र संजीव उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा 2. हरिओम पुत्र राजू सिंह उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा 3.प्रिंस पुत्र जयविन्द्र उम्र करीब 19 वर्ष निवासी ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा 4.लक्ष्य पुत्र कैलाश सिंह उम्र करीब 19 वर्ष निवासी ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा 5.दिनेश पुत्र नरेश सिंह उम्र करीब 20 वर्ष निवासी ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा 6.आशु कुमार पुत्र राजू कुमार उम्र करीब 20 वर्ष नि0 ग्राम मीरा सराय थाना अमरोहा देहात जनपद अमरोहा को मय फड से बरामद 12000/-रुपए व जामा तलाशी से 2450/-रुपए व 52 ताश के पत्तों के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तारी व बरामदगी के सम्बन्ध में थाना अमरोहा देहात पर मु0अ0सं0 244/2025 धारा 13 जुआ अधिनियम पंजीकृत कर वैधानिक कार्यवाही की गयी ।

साइबर अपराध से बचाव के लिए गजरौला पुलिस की जनजागरूकता कार्यक्रम

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- सोमवार को थाना गजरौला पुलिस द्वारा साइबर अपराध जागरूकता अभियान के अंतर्गत ज्ञान भारती इंटर कॉलेज, गजरौला में एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें 1800 छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया गया । कार्यक्रम में मौजूद सभी शिक्षक एवं छात्रों को साइबर अपराध से बचने के तरीके, ऑनलाइन धोखाधड़ी की पहचान एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के नियम बताए गए।

साथ ही घटना घटित होने पर तुरंत 1930 हेल्पलाइन या www. cybercrime. gov.in पोर्टल पर शिकायत दर्ज करने की प्रक्रिया विस्तार से समझाई गई। जितनी जल्दी सूचना दी जाएगा। उतना ही नुकसान को कम किया जा सकेगा और पीड़ित की धनराशि वापस दिलाने की संभावना अधिक होगी।

तीसरे मिल से लेकर बाबा साहब अंबेडकर पार्क दौरारा तक किया गया तिरंगा यात्रा का आयोजन

हसनपुर/अमरोहा (सब का सपना):- भारतीय जनता पार्टी द्वारा स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य मे चलाए जा रहे हर घर तिरंगा अभियान को लेकर रूखालू मंडल में तीसरे मिल से लेकर बाबा साहब अंबेडकर पार्क दौरारा तक तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार भाजपा कार्यकर्ता तीसरे मील चौराहे के पास पहुंचे। जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र खड्गवंशी व जिलाध्यक्ष उदय गिरी गोस्वामी ने यात्रा का शुभारंभ किया। यात्रा तीसरे मील से शुरू होकर क्षेत्र के हथिया खेड़ा, मंगरौली , मंगरौला, गंगवार, बुरावली, छपना, चंदन पुर, से होकर बाबा साहब अंबेडकर पार्क दौरारा पर पहुंच कर क्षेत्र पंचायत सदस्य विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र खड्गवंशी द्वारा बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर समाप्त हुई। इस अवसर पर मंगरौला के शहीद अजीत सिंह की प्रतिमा मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह ने माल्यार्पण कर नमन किया । इस अवसर पर विधान सभा एवं राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि पूरे देश में भाजपा कार्यकर्ता स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्र धर्म का पालन करते हुए शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित कर उनके त्याग एवं बलिदान को कृतज्ञ भाव से नमन कर रहे हैं। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष हुकम सिंह सुशील भगत, मुकुल शर्मा, कलुआ खड़गवंशी, मोनू अग्रवाल, सरोज गुर्जर, रूप किशोर प्रजापति, हरिराज सिंह, हर स्वरूप सिंह, हिमांशु त्यागी, सुधीर शर्मा, पवन गूजर, नंदन सिंह आदि सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माटीकला के परम्परागत / प्रशिक्षित कारीगरों के बहुरेगें दिन

अमरोहा (सब का सपना) रोहित कुमारः- जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गजेंद्र सिंह ने जानकारी देते हुए कहा कि माटीकला एवं माटी शिल्पकला को बढावा देने हेतु वित्तीय वर्ष 2025-26 में जनपद अमरोहा के माटीकला कारीगरों को निःशुल्क माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत 30 विद्युत चालित चाक प्रदान किये जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। विद्युत चालित चाक हेतु जनपद के माटीकला के कारीगर आवेदन कर सकते है। उ०प्र० सरकार की मंशा के अनुसार मिट्टी के बर्तनों एवं खिलौनों, मूर्तियों आदि को बनाकर जिविकोपार्जन करने वाले ऐसे कुम्हारों एवं परम्परागत कारीगरों जिनकी उम्र 18 वर्ष से 55 वर्ष के बीच हो, को निःशुल्क विद्युत चालित चाक (इलेक्ट्रिक पाटर व्हील) मशीन उपलब्ध कराया जाना है। अतः उक्त कार्य से जुडे कारीगर उ०प्र० खादी तथा गामोद्योग बोर्ड, अमरोहा के जिला ग्रामोद्योग कार्यालय, मालीखेड़ा रोड़, मौ० पुष्करनगर, नियर रेलवे स्टेशन, जनपद अमरोहा से आवेदन फार्म प्राप्त कर दिनांक 25.08.2025 तक जमा कर सकते हैं। अथवा upmatikalaboard.in पर लॉगिन कर आवश्यक प्रपत्र अपलोड करते हुए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। आवेदन फार्म के साथ आधार कार्ड, राशन कार्ड, फोटो, शैक्षिक प्रमा। पत्र एवं जाति प्रमाण पत्र की प्रति संलग्न करना अनिवार्य है। एक परिवार से एक ही व्यक्ति को फार्म जमा करना है। पूर्व में खादी गामोद्योग बोर्ड /खादी ग्रामोद्योग आयोग व जिला उद्योग केन्द्र तथा अन्य शासकीय विभागों के माध्यम से जिस परिवार में यदि कुम्हारी चाक का लाभ मिल चुका है, उस परिवार का कोई भी लाभार्थी योगना के अन्तर्गत पात्र नही है। लाभार्थियों के चयन में ऐसे व्यक्तियों को प्राथमिकता प्रदान की जायेगी जो आर्थिक रूप से निर्बल हो तथा जिनका जिविकोपार्जन एक मात्र माटीकला व्यवसाय पर ही निर्भर है। पर्यावरण को सत्त हो रहे नुकसान के दृष्टिगत प्लास्‍ि क से निर्मित कप, प्लेट, गिलास थाली आदि के उपयोग के स्थान पर उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मिट्टी के बर्तनों को अधिकाधिक उपयोग में लाये जाने पर बल दिया जा रहा है तथा वर्तमान में मिट्टी के बर्तनों की मांग भी प्रतिदिन बढ़ती जा रही है जिस कारण इस व्यवसाय को नये उपकरणों के साथ स्थापित करने पर अधिकाधिक रोजगार सृजन होने तथा आर्थिक उन्नति होने की सम्भावना है। अतः जनपद के माटीकला कारीगरों को निःशुल्क माटीकला टूल किट्स वितरण योजना के अन्तर्गत आवेदन आर्मंत्रित किये जाते है।

सीडीओ ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस पर कैंप का फीता काट कर किया शुभारम्भ

अमरोहा(सब का सपना):- ज़िले में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस समस्त सरकारी/प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों के द्वारा, आंगनवाडी सेन्टरों आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के द्वारा एवं मदरसों में मदरसों के अध्यापकों द्वारा 01 वर्ष से 19 वर्ष के सभी बच्चो को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई गई। जिसका शुभारम्भ अश्वनी कुमार मिश्रा मुख्य विकास अधिकारी के द्वारा प्राथमिक विद्यालय रायपुर खुर्द विकास खण्ड जोया मे बच्चो को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाकर राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारम्भ किया गया। इस मोके पर डॉ० सत्यपाल सिंह मुख्य चिकित्सा अधिकारी, नोडल अधिकारी डॉ० सुखदेव सिंह, विपुल कुमार डी०ई०आई०सी० प्रबंधक, प्राथमिक विद्यालय रायपुर खुर्द के प्रधानाध्यपक, चिकित्सा अधीक्षक जोया डॉ० कुनाल पराशर, बी०पी०एम० श्री ब्रजमोहन, व अन्य स्टॉफ उपस्थित रहे। जनपद में कार्यक्रम के सफल कियान्वयन हेतु समस्त सरकारी/प्राईवेट स्कूलों में अध्यापकों के द्वारा, आंगनवाडी सेन्टरों में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों द्वारा एवं मदरसों में मदरसों के अध्यापकों द्वारा 01 वर्ष से 19 वर्ष तक के जनपद में कुल 1067245 बच्चो मे से 03.00 बजे तक लगभग 60 प्रतिशत (मॉनिटरिंग डेटा के अनुसार) बच्चों को एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई गई। आज के दिन गोली खाने से छुटे हुये बच्चो को 14 अगस्त 2025 को मोप-अप दिवस मे एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई जायेगी। इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी अमरोहा डॉ० सत्यपाल सिंह द्वारा बताया गया कि बच्चे अक्सर कुछ भी मुह में डाल लेत है एवं नंगे पावं ही संक्रमित स्थानों पर चले जाते है जिससे उनके पेट मे कृमि या किड़े विकसित हो जाते है यही कृमि एल्बेण्डाजोल की एक खुराक खाने से बच्चों के पेट से बाहर निकल जाते हैं

या मर जाते है। जिन बच्चों के पेट में कृमि हो जाते है। वे बच्चे शारिरिक एवं मानसिक रूप से कमजोर होने लगते है जिसके कारण उनमे धीरे धीरे खून की कमी होने लगती है। इसलिये कृमि से बचाव के लिये एल्बेण्डाजोल की गोली खिलाई जानी आवश्यक है।

मंडी धनौरा में पुरानी रंजिश के चलते दो पक्षों में पथराव,चले लाठी-डंडे

विवाद में एक परिवार की चार महिलाएं घायल

धनोरा/अमरोहा (सब का सपना) कविंद्र सिंहः- क्षेत्र के गांव में पुरानी रंजीश के चलते दो पक्ष आपस में भिड़ गए। देखते ही देखते दोनों पक्षों में जमकर पथराव और लाठी डंडे चलने शुरू हो गए। इस घटना में एक पक्ष की चार महिलाएं घायल हो गई। बता दें कि पूरा मामला मंडी धनोरा थाना क्षेत्र के गांव आजमपुर का है जहां पर दो पक्षों में पुरानी रंजिश को लेकर लाठी डंडे चल पड़े और जमकर पथराव भी हुआ। सोमवार को हुई इस हिंसक झड़प में एक परिवार की चार महिलाएं बुरी तरह से घायल हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार विवाद बाढ़ के पानी में नहाने को लेकर हुआ। इस मामूली बात पर शुरू हुई हल्की सी झड़फ ने हिंसक रूप ले लिया और दबंग परिवार के लोगों ने दूसरे पक्ष के लोगों सहित महिलाओं के साथ भी जमकर मारपीट की। वही विवाद के दौरान किसी ने इस घटना का एक वीडियो भी अपने कमरे में कैद कर लिया। जिसमें दोनों पक्ष आपस में जमकर मारपीट करते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटना के बाद गांव में अफर तफरी का माहौल बन गया। वही इस घटना की सूचना स्थानीय लोगों ने पुलिस को दी ,मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वीडियो सामने आने के बाद जांच पड़ताल की जा रही है वीडियो के आधार पर अपराधियों की पहचान कर कड़ी कार्रवाई की जाएगी।इसके अलावा घायल महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उनका उपचार चल रहा है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी, श्री रामडोल शोभा यात्रा, गणेश चतुर्थी एवं चेहल्लुम की तैयारियो के संबंध में शांति समिति की हुई बैठक

अमरोहा (सब का सपना):- जिलाधिकारी निधि गुप्ता वत्स की अध्यक्षता एवं पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद की उपस्थिति में कलक्ट्रेट स्थित सभागार में श्री कृष्ण जन्माष्टमी, श्री रामडोल शोभा यात्रा, गणेश चतुर्थी एवं चेहल्लुम के पर्व पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों एवं आयोजकों के साथ शांति समिति की बैठक की गयी। बैठक में समिति के सदस्यों एवं आयोजकों से समस्याओं एवं उनके निराकरण संबंधी सुझाव लिए। डीएम एवं एसएसपी द्वारा संयुक्त रूप से थानावार समीक्षा की गई। डीएम ने कहा की साम्प्रदायिक सौहार्द को बनाये रखते हुये पर्व को रीत-रिवाज के साथ मनायें। यह क्षेत्र हमेशा से आपसी भाईचारा व गंगा जमुनी तहजीब की मिसाल रहा है। अगर कहीं पर कोई समस्या या विवाद है तो जिला प्रशासन को अवगत कराएं। समय रहते ही समस्या का उचित निस्तारण किया जाएगा। ऐसा कोई कार्य न करें जिससे कि दूसरे की धार्मिक भावनाएं आहत हों। जिला मजिस्ट्रेट ने त्यौहारों के दृष्टिगत नगर पालिका, नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों एवं पंचायत राज के अधिकारियों को मंदिरों सहित शोभायात्रा एवं जुलूस मार्गों पर साफ सफाई एवं पथ प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। यात्रा/जुलूस के दौरान किसी प्रकार का अवरोध उत्पन्न न हो, विद्युत विभाग को संबंधित मार्गों पर जर्जर एवं लटके तारों को दुरूस्त करने के निर्देश दिए। साथ ही पथ प्रकाश की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जाए। चेहल्लुम त्यौहार के अवसर पर निकाले जाने वाले अलम परंपरागत मार्गों पर से ही निकाले जाएं। अलम की ऊंचाई मानक के अनुरूप रहे। अनावश्यक रूप से कोई नई परंपरा ना डालें। उन्होंने उपस्थित सभी आयोजकों से पर्व को शान्ति पूर्वक मनाने एवं कानून व्यवस्था बनाने में पुलिस-प्रशासन का सहयोग करने की अपील की। इसके साथ जिलाधिकारी ने सभी से अफवाहों पर ध्यान न देने की बात कही।

निधि गुप्ता वत्स ने सम्बन्धित अधिकारियों को श्री कृष्ण जन्माष्टमी, श्री रामडोल शोभा यात्रा एवं चेहल्लुम के अवसर पर निकाले जाने वाले शोभायात्रा एवं जुलूस के पूर्व ही निकलने वाले स्थानों / मार्गों का भ्रमण कर लें एवं भ्रमण के दौरान पायी गयी कमियों को तत्काल दुरूस्त करा दें। उन्होंने आयोजकों से शोभायात्रा में शामिल झांकियों, बैण्ड एवं डी० जे० पर ध्वनि प्रसारक यत्रों का प्रयोग मानक के अनुरूप करने की बात कही। सुनिश्चित किया जाए कि कहीं पर भी गड्ढे और जलभराव की स्थिति न हो। त्यौहारों के अवसर पर मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर पूर्ण रोक लगायी जाए तथा उनके विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाए। पुलिस अधीक्षक जुलूस अमित कुमार आनंद ने कहा कि पूर्व में शांतिपूर्वक संपन्न अन्य पर्व की तरह ही इन पर्व को भी सकुशल संपन्न कराएं। शोभायात्रा और जुलूस परंपरागत मार्गों से ही निकाले जाए। अनावश्यक रूप से कोई नई परंपरा ना डालें। कहा कि आयोजक इस बात का ध्यान रखें कि पर्व को इस प्रकार से मनाया जाए कि किसी अन्य को असुविधा न हो। उन्होंने सभी आयोजकों से कहा कि सहयोग के लिए वॉलेंटियर्स की ड्यूटी भी अवश्य लगा दें। उन्होंने कहा कि डीजे का साइज ओवर न हो और बजने वाले गाने भी ऐसे न हो की किसी अन्य की भावनाएं आहत हो। उन्होंने सभी थाना अध्यक्षों से अपने-अपने क्षेत्र में पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों को निर्देश दिए कि पहले से ही संबंधित क्षेत्रों का भ्रमण कर तैयारियों का जायजा लेकर समय रहते कमियों को पूर्ण कर लिया जाए। इस अवसर पर समस्त उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, आयोजक, शांति समिति के सदस्य एवं संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बहजोई में शहीदों की याद में स्वतंत्रता दिवस से पूर्व निकाली गई तिरंगा यात्रा

बहजोई/संभल(सब का सपना):- देश को आजाद करवाने में हुए शहीदों की याद में तिरंगा यात्रा को मुख्य अतिथि डॉ0 सुगंधा सिंह ब्लॉक प्रमुख बनिया खेड़ा चंदौसी ने नगर बहजोई पहुंच कर तिरंगा यात्रा प्रारंभ कराई। तिरंगा यात्रा में शामिल सभी लोग एवं बच्चे वंदे मातरम ,भारत माता की जय, नारे लगाकर चल रहे थे। इस यात्रा में शामिल नगर के गणमन व्यक्ति, समाजसेवी एवं छात्र-छात्राओं एवं महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। यह तिरंगा यात्रा इंटरमीडिएट कॉलेज से प्रारंभ होकर नगर के रेलवे रोड, बर्तन बाजार, पुराना बाजार ,नया बाजार ,पुराना डाकखाना रोड ,बर्तन बाजार होती हुई अपने गतांक पर समाप्त हुई। इस तिरंगा यात्रा अवसर पर डॉ0 सुगंधा सिंह ,विकास वार्ष्णेय, नीरज वार्ष्णेय ,ललित मोहन शर्मा, उमेश चंद दिवाकर, नरेंद्र कुमार एन के प्रेमशंकर कश्यप, विजय यादव,मोहित गौड ,लव मोहन, यश वोडाफोन,अनुज कुमार , विकास बजरंगी डॉ0 रश्मि ,डॉ0अनीता श्रीवास्तव आदि लोग मौजूद रहे।

गजरौला में आवारा कुत्तों का आतंक,8 साल के मासूम पर किया जानलेवा हमला

गजरौला/अमरोहा (सब का सपना):- कस्बा में आवारा कुत्तों का आतंक इतना बढ़ गया है कि यह आवारा कुत्ते राह चलते किसी पर भी हमला कर देते हैं लेकिन शासन प्रशासन की तरफ से अभी तक कुत्तों द्वारा की जा रही इन घटनाओं पर अभी कोई अंकुश नहीं लग पाया है। जिस कारण यह आवारा कुत्ते राह चलते किसी भी राहगीर पर चुपचाप हमला करके उसे घायल कर देते हैं।ऐसा ही एक मामला कस्बा गजरौला के मौहल्ला अल्लीपुर का सामने आया है जहां पर सोमवार को एक आवारा कुत्ते ने घर के बाहर खेल रहे एक 8 साल के मासूम बच्चे पर जानलेवा हमला कर दिया। आवारा कुत्ते ने बच्चों पर इस तरह से हमला किया कि बच्चों के हाथ पैरों को काटकर बुरी तरह से जख्मी कर दिया। बता दें कि घटना के समय आहद सैफी पुत्र इंसाफ सैफी अपने घर के बाहर खेल रहा था अचानक कहीं से आए एक आवारा कुत्ते ने उस पर हमला बोल दिया। वहीं मौके से गुजर रहे दो बाइक सवार युवकों ने बच्चे को कुत्तों के चंगुल से छुड़ाया लेकिन जब तक कुत्तों ने बच्चों को पूरी तरह से काटकर घायल कर दिया था। इस घटना का पूरा प्रकरण वहीं पास में लगे एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया। जिसकी वीडियो में यह साफ देखा जा सकता है कि कुत्ते ने अचानक बच्चे पर हमला किया है। घटना के बाद बच्चों के परिजनों ने घायल बच्चे को गजरौला सीएचसी में भर्ती कराया जहां पर उसका उपचार जारी है। बच्चों के परिजनों का कहना है कि शहर में आवारा कुत्तों का आतंक काफी बढ़ गया है इन कुत्तों ने पहले भी लोगों पर कई बार हमला किया है।

हर घर तिरंगा अभियान का किया गया औपचारिक शुभारंभ

अमरोहा (सब का सपना):- नायाब अब्बासी डिग्री कॉलिज में सोमवार को हर घर तिरंगा अभियान का औपचारिक शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर देश के सम्मान और देश के प्रति समर्थन के अन्तर्गत स्टाफ सदस्यों व छात्र/छात्राओं ने प्रतिज्ञा ली। इस अवसर पर प्राचार्या डॉ0 लुबना हामिद ने कहा कि हमारा गौरवशाली इतिहास साक्षी है कि हम भारतीय अपनी परम्पराओं के अनुसार संविधान और स्वतन्त्रता का पूरा मान-सम्मान करते हैं। उन्होने कहा कि हमारी स्वतन्त्रता और हमारा संविधान हमारा गौरव है। चीफ प्राक्टर डॉ0 महताब अमरोहवी ने कहा कि देश का कण-कण हमारे गौरव और स्वतन्त्रता का प्रतीक है, हमें अपनी स्वतन्त्रता और संविधान की प्रत्येक दशा में रक्षा करनी है। शिक्षाविभागाध्यक्ष डॉ0 नसीम अहमद ने कहा हमारे देश की माटी हमारी आन-बान-शान है, हमें अपने देश के शहीदों पर गर्व है जिन्होने अपने प्राणों की आहुति देकर इस देश को आजादी दिलाई। इस अवसर पर सभी स्टाफ सदस्यों, छात्र/छात्राओं तथा कर्मचारियों द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में प्रतिज्ञा की गई। इस अवसर पर कसीम अशरफ, डॉ0 तशकील हैदर, डॉ0 मुबारक अली, डॉ0 रूचि अग्रवाल, डॉ0 निकहत नकवी, रोमाना आबिदी, डॉ0 एम0 अथर कमाल, डॉ0 महताब आलम, इज्जत अली, डॉ0 सरिता चैधरी, डॉ0 फरहा सिद्दीकी, अरमान सिद्दीकी, डॉ0 रेशमा जैदी, उजमा सैफी, अर्चना शर्मा, मौहम्मद अजीम, जुनैद आलम, शिवानी सागर, जिकरा नाज, तायबा, आकांक्षा, यमुना रानी, नेहा, विदुशी सिंह, आरती समेत सभी स्टाफ अन्य छात्र/छात्राऐं उपस्थित थे।

धनौरा के बछरायूं में निकाली गई तिरंगा यात्रा, देशभक्ति गानों से गूंजा बछरायूं

मंडी धनौरा/अमरोहा (सब का सपना) कविन्द्र सिंहः- तहसील तहसील क्षेत्र के थाना बछरायूं में आगामी स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई। यात्रा को नगर के मुख्य मार्गो पर घुमाया गया। यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट दिखाई दिया। बता दे कि सोमवार को मंडी धनौरा तहसील क्षेत्र के कस्बा बछरायूं में आगामी स्वतंत्रता दिवस (15 अगस्त) के उपलक्ष में हर घर तिरंगा अभियान के तहत भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं एवं पदाधिकारीयों ने एक भव्य तिरंगा यात्रा पूरे नगर में निकाली। तिरंगा यात्रा को नगर के मुख्य स्थानों से शुरू किया गया और नगर के मुख्य मार्गों से होते वापस वहीं पर लाकर समाप्त किया गया। यात्रा के दौरान उसमें बड़ी संख्या में लोग शामिल रहे। वहीं यात्रा में शामिल डीजे पर चल रहे देशभक्ति गीतों पर पूरा बछरायूं गूंज उठा। उधर यात्रा में शामिल भाजपा समर्थकों एवं लोगों ने डीजे पर चल रहे देशभक्ति गीतों पर जमकर डांस किया। वहीं यात्रा को सकुशल संपन्न कराने में पुलिस प्रशासन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा जिसने यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाने में अपनी पैनी नजर बनाए रखी।

हर घर तिरंगा लगाने का लिया संकल्प

हापुड़ (सब का सपना):- आजादी के अमृत महोत्सव के तत्वाधान में हर घर तिरंगा अभियान के द्वितीय दिवस पर मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम व जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ श्वेता पुठिया के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं ने हर घर तिरंगा लगाने का संकल्प किया। तथा साथ ही सेल्फी पॉइंट पर अपनी सेल्फी भी ली। कार्यक्रम का शुभारंभ आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा सरस्वती वंदना द्वारा किया गया। श्रीमती ब्रह्मा देवी सरस्वती बालिका मंदिर की छात्राओं द्वारा सामूहिक गीत ,भारत देश महान है,व योग की प्रस्तुति दी गई। सभागार में उपस्थित जन मानस का हृदय देश प्रेम की भावना से भर गया। छात्रआ ईशा सैफी व एसएसबी इंटर कॉलेज के छात्र कनिष्क वत्स द्वारा ओजस्वी स्पीच दी गई । आर्य कन्या पाठशाला इंटर कॉलेज की छात्राओं द्वारा "जय भारती जय भारती "गीत पर सामूहिक नृत्य किया। जिसने वहां उपस्थित सभी भारतीयों को मंत्र मुक्त कर दिया तथा एक ओज और उत्साह प्रत्येक भारतीय के दिल में भर गया। कार्यक्रम का संचालन एस एस वी डिग्री कॉलेज की प्रोफेसर डॉ वंदना वशिष्ठ ने किया। प्रधानाचार्य राजकीय हाई स्कूल हिम्मतपुर शैलजा का सहयोग रहा। नगर पालिका परिसर में समेकित वाल विकास परियोजना, ग्रामीण महिला उत्थान समिति पिलखवा ,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन ,जिला नगरीय विकास अधिकरण ,जिला उद्योग केंद्र DIC पिलखवा द्वारा स्टॉल भी लगाए गए । जिसे नगर पालिका परिसर देश प्रेम की भावना से ओत प्रोत दिखा , हर सदस्य के चेहरे पर जोश व उत्साह साफ झलक रहा था । कार्यक्रम का समापन मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम ने सभी का आभार व्यक्त कर किया।

धर्म जागरण समिति द्वारा धर्म रक्षा बंधन उत्सव का आयोजन

चंदोसी/संभल (सब का सपना):- राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की धार्मिक गतिविधि धर्म जागरण समिति, चंदौसी द्वारा आज डॉ. भीमराव अंबेडकर जूनियर हाई स्कूल, पथरा में "धर्म रक्षा बंधन उत्सव" हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत भारत माता के चित्र पर सामूहिक पुष्पार्पण के साथ हुई। महानंदन गौतम ने कार्यक्रम का शुभारंभ किया, जबकि आशा गोस्वामी ने परिचयात्मक वार्ता प्रस्तुत की। हरीश कठेरिया एडवोकेट ने पत्रक वाचन कर सभी को धर्मनिष्ठा का संकल्प दिलाया। डॉ. जयशंकर दुबे ने अपने संक्षिप्त बौद्धिक में कहा कि रक्षा सूत्र समाज को एकता, बंधुत्व और भाईचारे की भावना से जोड़ता है, जिससे सामाजिक समरसता मजबूत होती है। इसके बाद सभी उपस्थित लोगों ने परस्पर रक्षा सूत्र बांधकर समरस धर्मभाव का परिचय दिया। कार्यक्रम के अंत में भारत माता की आरती की गई। इस अवसर पर सत्यपाल सिंह, प्रवीण कुमार, शालू, सत्येंद्र सिंह, रंजीत कुमार, सोनिया शर्मा, अश्विनी कुमार, शिवगणेश, रमन शर्मा, योगेश कुमारी, दुर्गेश कुमारी, रेशमा सहित काफी लोग उपस्थित रहे। यह आयोजन सामाजिक एकता और धार्मिक जागरूकता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ।

रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर लोगो से धोखाधड़ी कर पैसे हड़प लेने वाला गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर लोगो से धोखाधड़ी कर पैसे हड़प लेने वाला एक आरोपी पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आपको बता दें भारत सिंह पुत्र कोमल सिंह निवासी ग्राम विजयपुर थाना बिलारी जनपद मुरादाबाद द्वारा तहरीर दी गयी कि 1 फारूक 2 गुड्डू द्वारा रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम रुपए ठग लिये गये तथा प्रार्थी को एक कूटरचित नियुक्ति पत्र तैयार कर दिया गया है। जिसके सम्बन्ध मे स्थानीय थाने पर मुकदमा पंजीकृत किया गया पुलिस अधीक्षक सम्भल कृष्ण कुमार व अपर पुलिस अधीक्षक (दक्षिणी) जनपद सम्भल अनुकृति शर्मा के कुशल निर्देशन व क्षेत्राधिकारी असमोली/अपराध कुलदीप कुमार के कुशल नेतृत्व में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में 11 अगस्त को मुकदमा उपरोक्त से सम्बन्धित अभियुक्त फारूक मलिक पुत्र सरवर अली निवासी मौहम्मदपुर टांडा थाना कोतवाली सम्भल जनपद सम्भल को सम्भल हयातनगर मार्ग से गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा पूछताछ में अभियुक्त के द्वारा अपने साथी मनोज तोमर पुत्र समय सिंह ठाकुर निवासी सिसौली के पास ग्राम गढी थाना भावनपुर जनपद मेरठ के साथ मिलकर लोगो से धोखाधड़ी करके रेलवे में नौकरी के नाम पर पैसे ऐठना तथा उनको फर्जी कूटरचित नियुक्ति पत्र व फर्जी जाति प्रमाण पत्र, फर्जी मूल निवासी प्रमाण पत्र, आधार कार्ड मे फर्जी स्थायी पता जैसे कूटरचित दस्तावेज तैयार करना बताया है।

उच्च प्राथमिक विद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस

बहजोई /संभल (सब का सपना):- विकासखंड बहजोई के ग्राम रायपुर कला के उच्च प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया गया। जिलाधिकारी डॉ राजेंद्र पैंसिया एवं मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट द्वारा फीता काटकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। जिलाधिकारी द्वारा राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के अवसर पर बच्चों को एल्बेंडाजोल की टैबलेट खिलाई गयीं। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने विद्यालय का निरीक्षण किया एवं बच्चों की उपस्थिति के विषय में जानकारी प्राप्त की और जिलाधिकारी ने संबंधित को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इसके बाद विकासखंड बहजोई के ग्राम कनेटा के प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनवाड़ी केंद्र का जिलाधिकारी ने स्थलीय निरीक्षण किया। जिलाधिकारी ने कहा कि शैक्षिक गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जाए और जिलाधिकारी ने संबंधित को निर्देशित करते हुए कहा कि आधारभूत सुविधाओं को प्रत्येक दशा में ध्यान में रखें और समय रहते हुए स्कूल के सभी पैरामीटर्स को ध्यान में रखते हुए कार्य करें इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गोरखनाथ भट्ट, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर तरुण पाठक, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अलका शर्मा, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर पंकज कुमार बिश्नोई, जिला कार्यक्रम अधिकारी महेश कुमार सहित समस्त संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत जनपद संभल ने प्राप्त किया प्रदेश में प्रथम स्थान

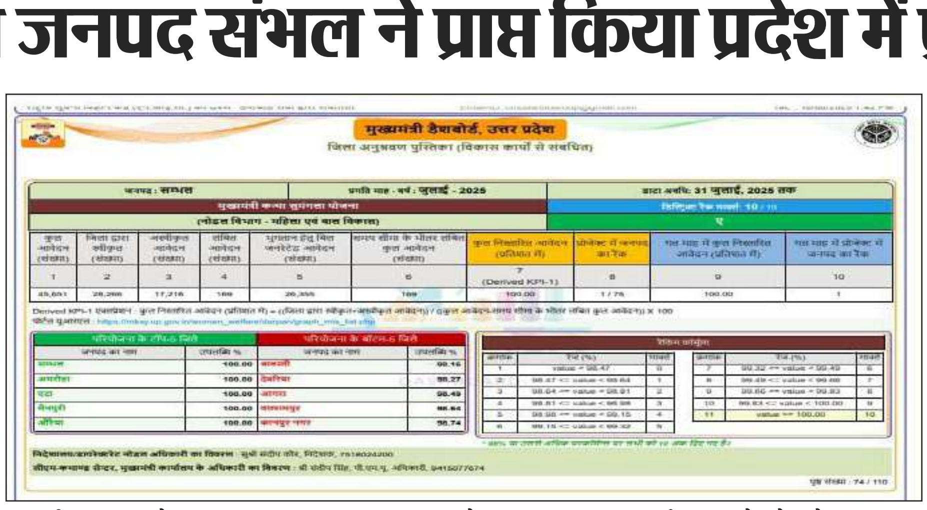
मुख्यमंत्री डैशबोर्ड, उत्तर प्रदेश
जिला अनुश्रवण पुस्तिका (विकास कार्यों से संबंधित)
जनपद : सम्भल | प्रगति माह - वर्ष : जुलाई - 2025 | डाटा अवधि: 31 जुलाई, 2025 तक
मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना

सम्भल (सब का सपना):- महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओ में माह जुलाई 2025 में विकास से संबंधित मुख्यमंत्री डैशबोर्ड की जारी रिपोर्ट में जनपद संभल ने जिलाधिकारी महोदय एवं मुख्य विकास अधिकारी महोदय के कुशल निर्देशन में मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना में प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। जनपद संभल का मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला जोजना में माह अगस्त 2024 में प्रदेश मे द्वितीय, माह सितंबर 2024 में तृतीय, माह अक्टूबर 2024 में प्रथम, माह नवम्बर 2024 में द्वितीय, माह दिसम्बर 2024 में प्रथम, माह जनवरी 2025 में प्रथम, माह फरबरी 2025 में प्रथम, माह मार्च 2025 में द्वितीय, माह अप्रैल 2025 में प्रथम, माह मई 2025 में प्रथम, माह जून 2025 में प्रथम एवं माह जुलाई 2025 में प्रथम स्थान रहा हैं, इसी प्रकार निराश्रित महिला पेंशन योजना के अंतर्गत जनपद ने माह मार्च 2025 में प्रदेश में प्रथम, माह अप्रैल 2025 में प्रथम, माह मई 2025 में प्रथम, माह जून 2025 में प्रथम एवं जुलाई 2025 में भी प्रथम स्थान/ रैंक प्राप्त किया हैं। जिलाधकारी ने योजना के क्रियान्वयन से जुड़े समस्त अधिकारियों, समस्त उप जिलाधिकारियो, समस्त खण्ड विकास अधिकारियो एवं कर्मचारियों को बधाई देते हुए निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला एवं निराश्रित महिला पेंशन योजना के अन्तर्गत सभी पात्र बालिकाओ/ महिलाओं का आवेदन कराते हुए, प्राप्त आवेदन पत्रों पर अनिवार्य रूप से एक सप्ताह के अन्दर नियमानुसार उसका स्थलीय सत्यापन कर निस्तारण करें, जिससे पात्र लाभार्थियों को योजना का लाभ समय से मिल सके।

फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले अन्तर्राज्यीय बीमा गिरोह का एक सदस्य गिरफ्तार

बहजोई/संभल(सब का सपना):- फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने वाले अन्तर्राज्यीय बीमा गिरोह का एक सदस्य पुलिस ने गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के मुताबिक जनपद सम्भल मे कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियो पर प्रभावी नियन्त्रण लगाने हेतु जनपद के विभिन्न थानो द्वारा निरंतर अन्तर्राज्यीय बीमा फ्राड के विरूद्ध कार्यवाही की जा रही है। इसी के क्रम में जनपद सम्भल मे कानून व्यवस्था, अपराध एवं अपराधियो पर प्रभावी नियन्त्रण लगाने हेतु थाना बहजोई पुलिस टीम द्वारा थाना बनियाठेर जनपद सम्भल पर पंजीकृत मुकदमा में वांछित अभियुक्त शिवप्रकाश पाण्डेय उर्फ पिन्टू पुत्र हरिशंकर पाण्डेय निवासी एफ 1362 राजाजीपुरम थाना तालकटोरा लखनऊ को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार शुदा अभियुक्त शिवप्रकाश पाण्डेय उर्फ पिन्टू पुत्र हरिशंकर पाण्डेय एक ऐसे गिरोह का सदस्य है, जिसमें काफी लोग जुडे है, जो सुनियोजित तरीके से गरीब लोगों को माध्यम बनाते हुये फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करके बीमा पॉलिसी धारको व एजेन्टो का सहयोग करते है जो विभिन्न जीवन बीमा कम्पनी जैसे आईसीआईसीआई प्रूडिंशियल, पीएनबी मेटलाईफ, बजाज एलाईन्स, एसबीआई जीवन बीमा इत्यादि को आर्थिक हानि पहुँचाते है और बीमा का रूपयो को आपस में बांट लेते है।

दिल्ली एनसीआर में आवारा कुत्तों के आतंक पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, आदेश- आवारा कुत्तों को पकड़ कर एक जगह रखे एमसीडी

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के आतंक के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बड़ा आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने "एमसीडी और एनडीएमसी को सभी आवारा कुत्तों को तुरंत उठाकर दूसरे इलाके में भेजें।" साथ ही, सुप्रीम कोर्ट ने ये भी कहा कि अगर कोई भी संगठन कुत्तों को जबरदस्ती पकड़ने में बाधा डालता है, तो उसे सुप्रीम कोर्ट की ओर से कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। जल्द से जल्द सभी इलाकों में शुरू करें कार्रवाई शहर में आवारा कुत्तों की समस्या को "अत्यंत गंभीर" बताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को दिल्ली सरकार और नागरिक निकायों को निर्देश दिया कि वे जल्द से जल्द सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़ना शुरू करें और उन्हें कुत्तों के आश्रयस्थलों में रखें। शीर्ष अदालत ने 28 जुलाई को दिल्ली में कुत्तों के काटने की घटना से रेबीज होने की मीडिया रिपोर्ट का स्वतः संज्ञान लिया था। 5,000 आवारा कुत्तों का आश्रयस्थल कुत्तों के काटने की घटनाओं से निपटने के लिए कई निर्देश पारित करते हुए, कोर्ट ने चेतावनी दी कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन अधिकारियों द्वारा आवारा कुत्तों को पकड़ने में बाधा डालता है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जस्टिस जेबी परदीवाला और आर महादेवन की पीठ ने कहा कि अभी के लिए लगभग 5,000 आवारा कुत्तों को समायोजित करने के लिए कुत्तों के आश्रयस्थल बनाए जाएं और वहां पर्याप्त कर्मचारियों को तैनात किया जाए ताकि कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जा सके। कोर्ट ने कहा, "आवारा कुत्तों को कुत्तों के आश्रय स्थलों में रखा जाए और उन्हें सड़कों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर नहीं छोड़ा जाए। हम ये निर्देश व्यापक जनहित को ध्यान में रखते हुए जारी कर रहे हैं।" एक सप्ताह में शुरू करें

दिल्ली-एनसीआर में आवारा कुत्तों के आतंक पर सुप्रीम कोर्ट ने एमसीडी और एनडीएमसी को सख्त आदेश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि सभी आवारा कुत्तों को तुरंत उठाकर दूसरे इलाकों में भेजा जाए।

हेल्पलाइन नंबर कोर्ट ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि एक सप्ताह के भीतर एक हेल्पलाइन बनाई जाए ताकि कुत्तों के काटने की सभी घटनाओं की तुरंत सूचना दी जा सके। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है, "फिलहाल आप सभी नियमों को भूल जाइए। हमें सभी इलाकों से आवारा कुत्तों को पकड़ना होगा। यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल कदम उठाए जाने चाहिए कि बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग सड़कों पर सुरक्षित रहें और उन्हें रेबीज का खतरा न हो।" दिल्ली सरकार ने फैसले का किया स्वागत सर्वोच्च न्यायालय के इस आदेश की सराहना करते हुये मंत्री कपिल मिश्र ने कहा, "सुप्रीम कोर्ट का ये ऑर्डर दिल्ली को रेबीज और बेसहारा पशुओं के भय से मुक्ति एक रास्ता दिखाता है। सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार का पशु विभाग सभी एजेंसियों के साथ मिलकर इस आदेश का अध्ययन करके इसको समुचित लागू करने की दिशा में आगे बढ़ेगा। इस आदेश को समयबद्ध तरीके पूर्णतया लागू करते हुए बेसहारा पशुओं के समुचित कल्याण का विशेष ध्यान भी रखा जाएगा।"

हसनपुर की दशा सुधारने की मांग, कब दिया जाएगा इस बात को अंजाम

हसनपुर/अमरोहा (सबका सपना):- ब्लॉक परिसर में आजाद समाज पार्टी की तरफ से एक ज्ञापन एसडीएम पुष्कर नाथ चौधरी को सोपा गया। जिसमें नगर पालिका परिषद हसनपुर मैं 14 गांव शामिल करने का विरोध प्रदर्शन किया गया। नगर पालिका से जोड़े जाने वाले 14 गांव से पहले हसनपुर की दशा को सुधारने की मांग की है। और आजाद समाज पार्टी ने इसका प्रदर्शन विरोध किया और कहा कि सफाई कर्मचारी नियमित रूप से नहीं आते हैं। और गोकुलधाम कॉलोनी, रहरा अड्डा हसनपुर में बारिश के टाइम जल भराव हो जाता है, और पानी खड़ा रहता है। जिससे की बीमारी होने का अंदेशा ज्यादा रहता है। इस अवसर पर डॉ. मोनिस चौधरी, अतहर एहसान, मोनू सागर, मनोज कुमार, मोहम्मद इरफान, उत्तम कुमार, राजू खेवान लाखों की तादाद में लोग शामिल रहे।

बाइक चोरी करने वाला यूपी पुलिस का कॉन्स्टेबल गिरफ्तार, छुट्टी लेकर आया था दिल्ली; कर्ज चुकाने के लिए करता था वारदात

पूर्वी दिल्ली। उत्तर प्रदेश पुलिस में कॉन्स्टेबल पद पर तैनात एक व्यक्ति को प्रीत विहार थाना पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। आरोपित की पहचान मोहसिन के रूप में हुई है। वह बागपत जिले की बड़ौत तहसील के दोघट गांव का रहने वाला है। इस वक्त मेरठ में 44वीं वाहिनी पीएसी में उसकी तैनाती है। वह छुट्टी लेकर वारदात को अंजाम देने आया था और दबोचा गया। उसके कब्जे से दो चाबियां बरामद हुईं, जिनसे वह चोरी करता। जांच में सामने आया है कि वह जुए की लत में कर्जदार बन गया था। जुए की लत से कर्ज में डूबा कॉन्स्टेबल कर्जा चुकाने के लिए वह वाहन चोरी करने लगा। इससे पहले उसे प्रीत विहार से एक मोटरसाइकिल चोरी की थी। पूछताछ में उसने पुलिस को बताया कि वह चोरी की मोटरसाइकिल उसने मेरठ में वीर नगला निवासी युवक को बेची। उसके पास से चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की ली हैं। पुलिस उपायुक्त अभिषेक धानिया ने बताया कि मंगलवार रात गश्त के दौरान पुलिस ने संदेह के आधार पर मोहसिन को राजधानी एनक्लेव के पास से दबोचा। सत्यापन करने पर वह उत्तर प्रदेश के बड़ौत का रहने वाला निकला तो उससे दिल्ली में मौजूद के बारे में पूछा गया। पहले तो उसने गुमराह करने का प्रयास किया। सख्ती करने पर मोहसिन ने बताया कि वह बाइक चोरी के लिए प्रीत विहार इलाके में आया था। साथ ही बताया कि दो माह पहले भी उसने यहां से मोटरसाइकिल चोरी की थी। उसकी बताई जानकारी की जांच की गई और सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए तो घटना सही पाई गई। रिकॉर्ड जांचने पर सामने आया कि उस मोटरसाइकिल चोरी की ई-एफआइआर पंजीकृत कराई गई थी। उसने पुलिस को यह भी बताया कि यह मोटरसाइकिल उसने मेरठ के गंगा नगर में एक पेट्रोल पंप के पास युवक को बेची, जोकि वहीं नगला गुसाई में वीर नगर में रहता है। चोरी की मोटरसाइकिल बरामद पूछताछ में ही आरोपित ने बताया कि वह उत्तर प्रदेश पुलिस के 2019 बैच का कॉन्स्टेबल है।

शांतिपूर्ण आपसी सौहार्द के साथ धूमधाम से निकलेगी ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा-जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा

गढ़मुक्तेवश्वर/हापुड़ (सब का सपना):- भारतीय किसान यूनियन टिकैत की मासिक पंचायत सोमवार को गढ़मुक्तेश्वर कैम्प कार्यालय पर हुई। मासिक पँचायत की अध्यक्षता पीके वर्मा वहीं संचालन शब्बू चौधरी ने किया। मासिक पंचायत के दौरान भाकियू टिकैत के जिला अध्यक्ष दिनेश खेड़ा ने कहा कि पूर्व वर्ष की भांति इस वर्ष भी ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा 13 अगस्त को निकाली जाएगी। जोकि राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत के आह्वान पर प्रत्येक वर्ष 13 अगस्त को जनपद के चारों ब्लॉक में बड़े ही धूमधाम के साथ सैकड़ों ट्रेक्टर के साथ ट्रेक्टर तिरंगा यात्रा निकाली जाएगी। इसके साथ ही किसानों का बकाया गन्ना भुगतान को लेकर जल्द ही बड़े स्तर पर आंदोलन कर आरपार की लड़ाई लड़ी जाएगी। जिला अध्यक्ष ने जिला अधिकारी से तीर्थ नगरी में बाढ़ ग्रस्त गाँव के पीड़ित राहत दिलाने की मांग भी की है। इस दौरान तहसील अध्यक्ष गढ़ श्याम सुंदर त्यागी, जिला कार्यकारणी सदस्य यामीन मलिक, मेरठ मंडल संगठन मंत्री महिपाल सिंह उर्फ गुजराल, महिला विंग उपाध्यक्ष शोभा देवी, जिला कार्यकारणी आँचल सिंह , जिला प्रवक्ता कुंवर खुशनूद, शुभम सांगवान, प्रदीप चौधरी, फैजान अब्बासी, अनिल त्यागी, रियाजुद्दीन, समेत जनपद, तहसील, ब्लॉक ग्राम स्तरीय पदाधिकारी व किसान मौजूद।

मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्रामीण स्वरोजगार योजनान्तर्गत 2 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण का किया गया आयोजन

हापुड़ (सब का सपना):- सुशील कुमार सिरोही, प्रभारी राजकीय फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र, आवास विकास कॉलोनी, हापुड़ द्वारा ग्राम बनखण्डा, ब्लाक हापुड़, में दो दिवसीय मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्रामीण स्वरोजगार योजनान्तर्गत 2 दिवसीय खाद्य प्रसंस्करण प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ सुरेश चन्द ग्राम प्रधान द्वारा किया गया। रमेश चन्द, प्रधानाचार्य राजकीय खाद्य विज्ञान प्रशिक्षण केन्द्र, मोदीपुरम मेरठ द्वारा खाद्य प्रसंस्करण के अन्तर्गत आने वाल उद्योगो से सम्बन्धित जानकारी एवं प्रशिक्षण उपरान्त खाद्य प्रसंस्करण उद्योग स्थापित करने पर 50 प्रतिशत (अधिकतम एक लाख) रुपए अनुदान सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। सुशील कुमार सिरोही. प्रभारी हापुड़ द्वारा प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग उन्नयन योजना (पी.एम. एफ.एम.ई.) के अन्तर्गत 35 प्रतिशत अनुदान अधिकतम दस लाख रुपए अनुदान से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की गयी। रोशन लाल प्रबन्धक प्रबन्धक सेवानिवृत्त एस.बी.आई ने उद्योग स्थापन हेतु ऋण आदि से सम्बन्धित जानकारी प्रदान की। विषय विशेषज्ञों सुरेश शर्मा सेवा निवृत्त खाद्य प्रसंस्करण अधिकारी,नरेन्द्र सिंह सेवा निवृत्त खाद्य प्रसंस्करण प्रभारी, द्वारा फल सब्जी से बनने वाले उत्पाद जैसे अचार, सॉस, मुरब्बा, जैम, जैली स्क्वैश, मसाले प्रसंस्करण, मिनी फ्लोर मिल, बैकरी, कुकरी उत्पाद आदि से सम्बधित जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम का समापन रमेश वन्द, प्रधानाचार्य द्वारा प्रशिक्षण के प्रमाण-पत्र वितरित कर किया गया। कार्यक्रम में 30 लाभाथीर्यों ने प्रतिभाग किया।

11 सदस्य कमेटी ने अनिरुद्धचार्य को माना दोषी

अमर्यादित टिप्पणी के विषय में अनिरुद्धचार्य को 11 सदस्य कमेटी ने भेजा पत्र

वृंदावन /मथुरा (सब का सपना) गोपाल अग्रवाल:- कुछ आपत्तिजनक शब्दों के माध्यम से देवी देवताओं, नारी शक्ति, एवं धर्म विरुद्ध बातें सोशल मीडिया के माध्यम से सामने आती रहती है। ताजा उदाहरण अभी कुछ दिन पहले भारतीय कन्याओं के बारे में जो अनिरुद्धचार्य द्वारा आपत्तिजनक शब्दावली का प्रयोग किया गया उसको किसी भी स्थिति में उचित नहीं माना जा सकता। अनिरुद्धचार्य के आचरण को देखते हुए 7 अगस्त को श्री धाम वृंदावन में एक चेतावनी सभा का आयोजन ब्रज धमार्चार्य परिषद एवं श्री कृष्ण जन्मभूमि संघर्ष न्यास के द्वारा किया गया था। जिसमें 11 सदसीय कमेटी का गठन किया किया था,जो संपूर्ण प्रकरण को संज्ञान लेकर कार्य कर रही है। लगभग तीन दिन की गहन चर्चा एवं अवलोकन से कमेटी ने पाया है कि वर्तमान परिवेश में जो अनिरुद्धचार्य ने शब्द कहे हैं,वह शुद्ध रूप से आपत्तिजनक हैं जिससे समाज में रोष व्याप्त हैं कमेटी ने यह भी पाया है कि अनिरुद्धाचार्य इस मसले को सुलझाने की जगह कुछ महिलाओं के बयान अपने समर्थन में जारी करा कर अपने आप दंभ भरते हुए अपने कथन को सही साबित करने में लगे हैं और अनिरुद्धचार्य ने कल एक वरिष्ठ पत्रकार पर अमर्यादित भाषा बोली यह बहुत ही निंदा का विषय है, जबकि भारतीय समाज में क्षमा को सर्वत्र माना गया है। पत्र में कमेटी के अध्यक्ष दिनेश फलाहारी महाराज, महंत राम दास महाराज, रमाकांत गोस्वामी, विश्व हिंदू परिषद के वरिष्ठ नेता जयराम शर्मा, राजेश पाठक, राजेश चतुर्वेदी, आचार्य सुमित कृष्ण शास्त्री, महामंड लेश्वर राधा नंद गिरी, मधुसूदन महाराज,महेशानंद महाराज, धनंजय दास ने कहा है कि व्यावहारिक ढंग से समस्त नारी शक्ति से माफी मांगे और 101 कन्याओं का जो 18 वर्ष से 25 वर्ष की हो उनका पूजन कर भविष्य में भागवत कथा के अलावा कोई भी अमर्यादित टिप्पणी ना करने की 11सदसीय कमेटी के सामने शपथ ले। यदि आपके द्वारा यह कार्य किया जाता है तो निश्चित रूप से हम प्रयास करेंगे आपको बृजवासी एक बार फिर माफ करने की कृपा करेंगे।

24-25 अगस्त को विधानसभा में कार्यक्रम, 32 राज्यों के स्पीकर और डिप्टी स्पीकर आ रहे दिल्ली

नई दिल्ली। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 24-25 अगस्त को विधानसभा परिसर में भारत के पहले निर्वाचित अध्यक्ष वीर विठ्ठल भाई पटेल के निर्वाचन के 100 साल पूरे होने पर 32 राज्यों के स्पीकर, डिप्टी स्पीकर दिल्ली आ रहे हैं। विधानसभा परिसर में ऑल इंडिया स्पीकर कॉन्फ्रेंस आयोजित करेंगे। आगे कहा कि अमित शाह इसका उद्घाटन करेंगे और 25 अगस्त को समापन ओम बिड़ला करेंगे। उद्घाटन में ज्योतिरादित्य सिंधिया एक डाक टिकट जारी करेंगे। इसमें सभी केंद्रीय मंत्री, दिल्ली सरकार के मंत्री और विधायकों को आमंत्रित किया गया है। विजेंद्र गुप्ता ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि इसमें चार सेशन होंगे, इसमें चार विषयों पर देशभर स्पीकर्स चर्चा करेंगे। भारत लोकतंत्र की जननी, स्वतंत्रता सेनानियों की विधायिका में हिस्सेदारी, एआई से कैसे विधायिका में बदलाव जैसे विषयों पर चर्चा करेंगे। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण, गजेंद्र सिंह शेखावत, किरण रिजेजू, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, विधानसभा उपाध्यक्ष मोहन सिंह बिष्ट, प्रवेश साहिब सिंह जैसे नेता सभा का नेतृत्व करेंगे। वहीं आगे कहा कि यहां विधानसभा के इतिहास पर एक प्रदर्शनी भी लगेगी। वेलकम डिनर, 24 अगस्त को लोकसभा स्पीकर डिनर होस्ट करेंगे। 25 अगस्त को उपराज्यपाल राजनिवास में अतिथियों को डिनर होस्ट करेंगे। इस मौके पर एक डॉक्यूमेंट्री भी बन रही है, उद्घाटन समारोह में उपराज्यपाल इसका उद्घाटन करेंगे। विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि इस विधानसभा के इतिहास पर आधारित इस डॉक्यूमेंट्री में देखने को मिलेगा कि कैसे रॉलेट एक्ट, साइमन कमीशन के विरोध में इस विधानसभा में आवाज उठी, मोहनदास करमचंद गांधी उस समय विधानसभा में रॉलेट एक्ट के खिलाफ बोल रहे थे। विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि पिछली सरकार ने विधानसभा में फर्जी फांसी घर दिखाया, लेकिन हम यहां के इतिहास 1911 से अबतक के इतिहास को दिखाने के लिए उस गैलरी को बनाएंगे। इसमें दिल्ली की विरासत और विकास को दिखाएंगे। उन्होंने कहा 24 फरवरी को हमने सपथ लिया था, 24 अगस्त को ठीक छह महीने मे हम दिल्ली की विरासत और विकास का पर्व मनाने जा रहे हैं।

चॉकलेट के डिब्बों को खोला तो दंग रह गए पुलिस अफसर, अब जांच में खुलेंगे बड़े राज

नई दिल्ली। दिल्ली में आईजीआई एयरपोर्ट पर मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े दो मामले लगातार सामने आए हैं। इनमें एक मामले में गांजा तो दूसरे मामले में कोकेन की बड़ी खेप बरामद हुई है। वहीं, दोनों मामले को जोड़ दें तो बरामद मादक पदार्थ की कुल कीमत करीब 100 करोड़ से भी अधिक है। दोनों मामले में जांच में कस्टम विभाग जुटा है। सुनहरे रंग के डिब्बे में चॉकलेट नहीं मिली सफेद कोकेन छह अगस्त को दोहा से आई इंडिगो की उड़ान 6ई 1346 से एक यात्री उतरा। टर्मिनल-3 पर जब यात्री उतरा तो उसके पास एक हरे रंग का हैंडबैग था। सीमा शुल्क अधिकारियों ने संदेह के आधार पर यात्री को ग्रीन चैनल पर रोका और उनके सामान की एक्स-रे जांच की। वहीं, जांच के दौरान हरे रंग के हैंडबैग में रखे फेरेरो रोशर चॉकलेट के आठ सुनहरे डिब्बों में 5469.5 ग्राम सफेद रंग का मादक पदार्थ पाया गया। प्रारंभिक डायग्नोस्टिक परीक्षण में यह पदार्थ कोकेन पाया गया। कस्टम अधिकारियों ने जब्त किए गए पदार्थ का अनुमानित मूल्य लगभग 82.04 करोड़ रुपये है। 19.86 करोड़ रुपये की गांजा बरामद कोकेन बरामदगी से पूर्व दो अगस्त को बैंकाक से दिल्ली पहुंची एअर इंडिया की उड़ान संख्या 2333 से टर्मिनल-3 पर पहुंचे एक भारतीय यात्री के खिलाफ प्रोफाइलिंग के आधार पर कार्रवाई की गई। यात्री को ग्रीन चैनल पर रोका गया और उसके सामान की एक्स-रे जांच के साथ-साथ व्यक्तिगत तलाशी ली गई। वहीं, जांच के दौरान, यात्री के ट्रॉली बैग में 20 सफेद और काले रंग की पॉलिथीन पाउच में हरे रंग का मादक पदार्थ मिला, जो संदिग्ध रूप से गांजा प्रतीत हुआ। इसका वजन करीब 20 किलो पाया गया। इसकी अनुमानित कीमत लगभग 19.86 करोड़ रुपये आंकी गई है।

दिल्ली में मंडराया बाढ़ का खतरा, यमुना नदी का जलस्तर देख अलर्ट मोड पर अफसर

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी पुराने रेलवे पुल पर रविवार शाम 7 बजे 204.31 मीटर के स्तर पर पहुंच गई, जो 204.50 मीटर के चेतावनी स्तर के करीब है। यह पुल नदी के प्रवाह और संभावित बाढ़ के खतरों पर नजर रखने के लिए एक प्रमुख अवलोकन बिंदु के रूप में कार्य करता है। अधिकारी स्थिति पर नजर रख रहे हैं और संबंधित एजेंसियों को संभावित बाढ़ की तैयारी के लिए एहतियाती उपाय लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। केंद्रीय बाढ़ कक्ष के एक अधिकारी ने कहा कि जलस्तर में वृद्धि का मुख्य कारण वजीराबाद और हथिनीकुंड बांध से हर घंटे छोड़े जा रहे पानी की अधिक मात्रा है। दिल्ली में चेतावनी का निशान 204.5 मीटर पर है, जबकि खतरे का निशान 205.33 मीटर पर है।

इस हालत में पड़ी मिली लाशें, इन दोनों इलाकों में फैली सनसनी

बाहरी दिल्ली। दिल्ली में मॉडल टाउन और केएन काटजू मार्ग थाना क्षेत्र में दो शव मिले हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। मृतकों के पास से कोई शिनाख्ती दस्तावेज नहीं मिले हैं, जिससे इनकी पहचान हो सके। शवों की शिनाख्त के लिए पुलिस स्थानीय लोगों से पूछताछ कर रही है। इसके साथ ही आसपास के अन्य पुलिस थानों से भी पुलिस पता लगा रही है। जानकारी के मुताबिक, आठ अगस्त को उत्तरी-पश्चिमी जिला के मॉडल टाउन थाना पुलिस को जानकारी मिली कि जीटीके रोड स्थित गुजरावाला टाउन के पास डिवाइडर पर एक शख्स अचेत अवस्था में पड़ा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पाया कि युवक की मौत हो चुकी है। युवक ने जींस और टी-शर्ट पहना हुआ था। जिसकी उम्र करीब 30 वर्ष थी। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों से पुलिस यह पता लगाने में जुटी हुई है कि आखिर यह युवक यहां कब और कैसे पहुंचा। इसके पास न तो मोबाइल फोन ही मिला और नहीं कोई कागजात ही मिले ही। ऐसे में पुलिस मृतक की शिनाख्त के लिए कार्रवाई शुरू कर दी है। वहीं, दूसरी तरफ पुलिस को जानकारी मिली कि केएन काटजू मार्ग थाना क्षेत्र स्थित हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास नहर में एक शख्स का शव है। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने पाया कि शव सड़ी-गली हालत में है। मृतक की उम्र करीब 50 से 55 वर्ष के बीच है। मृतक का शव कब्जे में लेकर पुलिस जांच में जुट गई है। इन दोनों ही मामले में पुलिस अधिकारी का कहना है कि पुलिस शवों के शिनाख्त में जुटी हुई है। इस मामले में कई पहलुओं से भी जांच की जा रही है।

दिल्ली पुलिस के हत्थे चढ़े दो तस्कर, लाखों कीमत की चरस देख उड़े अफसरों के होश

नई दिल्ली। बिहार के नरकटियागंज से चरस लाकर दिल्ली-एनसीआर में आपूर्ति करने वाले दो तस्करों को क्राइम ब्रांच की टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपियों के कब्जे से 12 लाख रुपये मूल्य की 2.450 किलोग्राम चरस बरामद की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान गोपालगंज, बिहार के बेलाल अहमद उर्फ बिलाल और अशफाक अहमद के रूप में हुई है। उपायुक्त हर्ष इंदौरा के मुताबिक, एसआई नरेंद्र सिंह द्वारा दो महीने तक लगातार की गई खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई की गई। नरेंद्र ने आरोपियों से जुड़े प्रमुख मोबाइल नंबरों की निगरानी का उपयोग करते हुए बिहार के गोपालगंज से दिल्ली तक संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी, जिससे पता चला कि एक बड़ी चरस की खेप दिल्ली-एनसीआर में आने वाली है। सूचना पर एसीपी अशोक कुमार शर्मा और इंस्पेक्टर संजय कौशिक के नेतृत्व में टीम गठित की गई। टीम ने जाल बिछाते हुए मुकुंदपुर फ्लाईओवर के पास से आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों के कब्जे से कुल 2.450 किलोग्राम चरस बरामद हुई। बताया गया कि बरामद चरस को बिहार के नरकटियागंज से दिल्ली एनसीआर आपूर्ति के लिए लाई गई थी।

यमुनानगर में पेड़ पर दिखा विशालकाय अजगर, ग्रामीणों में दहशत

यमुनानगर : यमुनानगर के चिक्कन-शहजादवाला गांव के पास लगते खेतों में अजगर आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। खेत में गए किसानों ने जब अजगर को विशालकाय अजगर को भगाने का प्रयास किया तो वह पेड़ पर चढ़ गया। उन्होनें तुरंत इसकी सूचना वन्य प्राणी विभाग को दी। मौके पर पहुंची वन्य विभाग की टीम ने अजगर को रेस्क्यू कर जंगल में छोड़ दिया। जानकारी के अनुसार चिक्कन गांव खेतों में पानी में बहकर एक अजगर खेतों में पहुंच गया, जहां ग्रामीणों में दहशत को माहौल है। खेत में गए किसानों ने उसे भगाने का प्रयास किया तो वह पेड़ पर चढ़ गया। उन्होनें तुरंत वन्य प्राणी विभाग को इसकी सूचना दी। टीम ने मौके पर पहुंचकर पेड़ पर चढ़े अजगर को मुश्किल से पेड़ से नीचे उतारकर रेस्क्यू किया। बाद में कलेसर स्थित जंगल में छोड़ा। वन्य प्राणी विभाग के मुताबिक रेस्क्यू किए गए अजगर की उम्र करीब 18 साल व वजन करीब 45 किलो है। विभाग के वन्य प्राणी रक्षक ने बताया कि आमतौर पर बरसाती सीजन में वन्य जीव बहकर आ जाते हैं। इनसे घबराने की जरूरत नहीं है। यह खुद को असहज महसूस होने पर ही हमला करते हैं। यदि किसी को कहीं वन्य जीव दिखाई दे तो विभाग को सूचित करें ताकि टीम भेजकर रेस्क्यू कर सके।

मायके से लौट रही महिला को घसीटता हुआ ले गया पिकअप चालक

भिवानी : भिवानी के तोशाम में पिकअप ने महिला को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल महिला की मौत हो गई। इस एक्सीडेंट की एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है। जिसमें पिकअप महिला को टक्कर मारता हुआ दिखाई दे रहा है। इधर मामले की सूचना मिलते ही तोशाम थाना पुलिस ने पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी। शिकायतकर्ता ने बताया कि वह ड्राइवरी का काम करता है। उसकी चाची करीब 55 वर्षीय बाला उसके पास ही गांव रिवासा में रहती थी। करीब 2 महीने से वह अपने घर

हांसी के प्रेम नगर में गई हुई थी। 9 अगस्त को उसकी चाची बाला गांव रिवासा आ रही थी। जब वह तोशाम में पेट्रोल पंप के पास वाहन का इंतजार कर रही थी। तोशाम की तरफ से एक पिकअप चालक अपने पिकअप को तेज रफ्तार में व लापरवाही से चलाता हुआ आया। उसने बताया कि पिकअप चालक ने उसकी चाची बाला देवी को सीधी टक्कर मार दी। पिकअप की टक्कर लगने के बाद उसकी चाची काफी चोटें आई। पिकअप उसकी चाची को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया। चालक एक्सीडेंट के बाद मौके से भाग गया। उसकी चाची को उपचार के लिए प्राइवेट वाहन का इंतजाम करके अस्पताल में पहुंचाया। जहां पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इधर मामले की सूचना मिलते ही तोशाम थाना पुलिस भी पहुंची। जिसने शिकायत के आधार पर अज्ञात पिकअप चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। वहीं मामले की जांच कर रही है। कृष्ण ने बताया कि यह एक्सीडेंट की वारदात वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। जिसमें पिकअप चालक उसकी चाची को टक्कर मारता हुआ दिखाई दे रहा है। वहीं टक्कर लगने के बाद पिकअप उसकी चाची को घसीटता हुआ ले गया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

यमुनानगर में मूसलाधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त, पॉश इलाकों में 4 फीट तक पानी भरा

यमुनानगर : मूसलाधार बारिश ने यमुनानगर की रफ्तार को थाम दिया है। शहर के कई इलाकों में जलभराव की स्थिति गंभीर हो चुकी है, खासतौर पर शहर के पॉश इलाकों में 4 फीट तक पानी जमा हो गया है। हालात ऐसे हैं कि कार, बाइक और स्कूटर पानी में बंद हो रहे हैं और लोग घुटनों तक पानी में चलने को मजबूर हैं।

पॉश कॉलोनियों में भी भरा पानी

यह समस्या केवल पुराने या निम्न इलाकों तक सीमित नहीं है, बल्कि शहर के विकसित और महंगे क्षेत्रों में भी लोग जलभराव से परेशान हैं। सबसे चिंताजनक स्थिति तब बनी जब सीवरेज का गंदा पानी घरों में घुस गया, जिससे लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ गईं।

"हर साल यही हाल": लोगों का फूटा गुस्सास्थानीय निवासी प्रशासन से बेहद नाराज हैं। लोगों का कहना है कि हर साल बरसात में यही हालात होते हैं, लेकिन इस बार स्थिति और भी बदतर हो गई है। लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए मकानों में पानी घुसना आम होता जा रहा है। राहगीर राजीव

कुमार और अभिषेक ने बताया कि वे सुबह अपने काम पर निकले थे, लेकिन रास्ते में गहराई तक भरे पानी के कारण उनकी बाइक बंद हो गई। बड़ी मशक्कत से बाइक को पानी से बाहर खींचा गया। उन्होंने बताया कि कई जगहों पर पानी की गहराई 4 फीट तक पहुंच गई है।

सेहत पर भी मंडरा रहा खतरा

लोगों का कहना है कि जलभराव से फर्नीचर, इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य घरेलू सामान बर्बाद हो रहा है। सबसे बड़ी चिंता सीवरेज सिस्टम के फेल हो जाने की है, जिसके चलते गंदा पानी घरों में घुस रहा है। इससे संक्रमण और बीमारियों का खतरा लगातार बढ़ रहा है, खासकर बच्चों और बुजुर्गों को लेकर लोग बेहद चिंतित हैं।

प्रशासन पर सवालिया निशान

स्थानीय लोगों ने प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि समय रहते जलनिकासी और सीवरेज की व्यवस्था नहीं की जाती। हर बार शिकायतें की जाती हैं, लेकिन नतीजा शून्य रहता है। बता दें बारिश का सिलसिला अभी थमा नहीं है, और अगर हालात पर जल्द काबू नहीं पाया गया तो यह जलभराव किसी बड़े हादसे की वजह बन सकता है।

यमुनानगर में 50 लाख की हेरोइन के साथ 2 नशा तस्कर गिरफ्तार, लंबे समय से कर रहे थे कारोबार

यमुनानगर : यमुनानगर में एंटी नारकोटिक्स की टीम ने हरियाणा-यूपी बॉर्डर से 2 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया है। दोनों तस्करों से 680 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इसकी कीमत करीब 50 लाख रुपये बताई जा रही है। एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम दोनों नशा तस्करों को कोर्ट में पेश कर पुलिस रिमांड पर लेगी। एंटी नारकोटिक्स टीम के इंचार्ज अरुण कुमार ने बताया कि उप अधीक्षक कमलदीप गोयल के निदेर्शानुसार एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम की यह बड़ी कार्रवाई है। उन्होंने बताया कि गुप्त सूचना पर यह कार्रवाई की गई है। जिसमें यमुनानगर के हमीदा निवासी अल्लादिया और उत्तर प्रदेश के सहारनपुर निवास अमजद को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। दोनों आरोपियों पर कई केस पहले से दर्ज हैं। उन्होनें बताया कि आरोपियों से 80 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इस हैरोइन की कीमत 50 लाख रुपए बताई जा रही है।

रेवाड़ी के होटल में शराबी युवकों का हंगामा, एडिशनल सेशन जज ने दी पुलिस को सूचना, तीनों गिरफ्तार

रेवाड़ी : रेवाड़ी के एनएच-11 स्थित ओल्ड अशोका होटल में रविवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई जब शराब के नशे में तीन युवकों ने जमकर हंगामा किया। संयोगवश उसी समय होटल में रेवाड़ी के एडिशनल सेशन जज अपने परिवार के साथ भोजन कर रहे थे। हालात बिगड़ते देख उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया गया। यह घटना शाम करीब 6:15 बजे की है।

होटल में घुसते ही गाली-गलौच, धमकी

होटल मालिक रामकिशन के अनुसार, तीनों युवक शराब के नशे में होटल में घुसे और आते ही गाली-गलौच शुरू कर दी। जब स्टाफ ने उन्हें होटल से जाने के लिए कहा, तो

उन्होंने जान से मारने की धमकी दे डाली। होटल प्रबंधन ने डायल-112 पर कॉल कर पुलिस को सूचित किया, लेकिन पुलिस के पहुंचने से पहले आरोपी मौके से फरार हो गए।

मजिस्ट्रेट ने भी दी पुलिस को सूचनाहोटल पहुंची पुलिस को पता चला कि घटनास्थल पर एडिशनल सेशन जज भी मौजूद थे, जिन्होंने भी पुलिस को कॉल कर जानकारी दी थी। होटल मालिक से आरोपियों की बाइक का नंबर लेकर पुलिस ने आसपास के होटलों में तलाशी अभियान चलाया और आखिरकार एक अन्य होटल में खाना खाते हुए तीनों आरोपियों को दबोच लिया गया।

तीनों आरोपियों की पहचान

तीनों युवकों का मेडिकल खोल सीएचसी में कराया गया, जिसमें उनके शराब के नशे में होने की पुष्टि हुई। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान निखिल (लक्सीवास, बहरोड़, राजस्थान), अंकित शर्मा (बुडौली) और सोनू (नसीबपुर, नारनौल) के रूप में हुई है।

रक्षाबंधन पर निकले थे पार्टी मनाने

पुलिस जांच में सामने आया कि सोनू, निखिल का जीजा है और रक्षाबंधन के मौके पर वह बहरोड़ आया था। दोनों बाइक से पार्टी मनाने निकले थे और रास्ते में अंकित भी मिल गया। तीनों ने शराब पी और होटल में खाना खाने पहुंचे। जब होटल स्टाफ ने नशे की हालत में खाना देने से इनकार किया, तो उन्होंने हंगामा कर दिया।

बीएनएस की धाराओं में केस दर्ज

मामले को लेकर खोल थाना पुलिस के जांच अधिकारी एएसआई मनोज कुमार ने बताया कि तीनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 296, 3(5), 351(2) और 72C के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों को सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

मामा के घर गई हुई थी नाबालिग, अचानक हुआ पेटदर्द, फिर नानी ने कर दिया ये काम

पानीपत : कैथल जिले के एक गांव में नाले में भ्रूण फेंकने वाली महिला का खुलासा हो गया है। यह महिला मतलौडा थाना क्षेत्र की रहने वाली 17 वर्षीय नाबालिग की नानी ही मिली। दरअसल नाबालिग 5 अगस्त को कैथल में अपनी मामा के घर गई हुई थी। नाबालिग लड़की का बीती 6 अगस्त को नवजात का गर्भपात कराया गया। इस गर्भपात के बाद भ्रूण को नानी ने झाड़ियों में फेंक दिया था। इस मामले में जब परिजनों ने नाबालिग से गहनता से पूछताछ की तो पता चला कि उसके साथ पड़ोसी ने दुष्कर्म किया था। अब मतलौडा थाना पुलिस ने आरोपी पड़ोसी पर दुष्कर्म का मामला दर्ज किया है। वहीं इस मामले में कैथल पुलिस ने नवजात को झाड़ियों में फेंकने के आरोप में नानी के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। अचानक हुआ था पेट में दर्द पानीपत जिले के मतलौडा थाना पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि उसके 4 बच्चे हैं। जिनमें सबसे छोटी बेटी 17 साल की है। वह बीती 5 अगस्त को अपनी नानी के घर गई थी। अचानक पेट में दर्द होने पर चेकअप कराया तो पता चला कि उसके पेट में एक मरा हुआ बच्चा पल है।

गली में चारपाई पर सो रहे बुजुर्ग को कार चालक ने मारी टक्कर, मौके पर मौत

बहादुरगढ़ : बहादुरगढ़ के एक गांव में चारपाई पर सो रहे बुजुर्ग व्यक्ति को बीती देर रात एक कार ने कुचल दिया। बुजुर्ग की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर भागने लगा तभी कार असंतुलित होकर बिजली के खंबे से टकरा गई। ड्राइवर हादसे के बाद कार छोड़ मौके से भाग गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। जानकारी के मुताबिक बहादुरगढ़ क्षेत्र के गांव डाबौदा कलां में बीती रात को महेंद्र घर के बाहर चारपाई पर सो रहा था। तभी कार चालक ने उसको कुचल दिया। फिलहाल पुलिस मामले को लेकर कानूनी कार्रवाई में जुटी हुई है।

कुख्यात बदमाश जुनैद पानीपत से गिरफ्तार, पुलिस पर फायरिंग समेत कई मामलों में था वांछित

पानीपतः पानीपत पुलिस की सीआईए-थ्री यूनिट ने उत्तर प्रदेश के कुख्यात बदमाश जुनैद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस टीम ने आरोपी के संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर यह कार्रवाई की। जांच में खुलासा हुआ है कि जुनैद ने यूपी के शामली में आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने के बाद पानीपत में भी आतंक फैलाया। पुलिस पर की थी फायरिंग जुनैद पर आरोप है कि उसने 16 जून को जमीन विवाद के चलते पानीपत पुलिस पर गोलियां चलाई थीं। इसके बाद 22 जुलाई की रात को गढ़ी बेसिक गांव में भी फायरिंग की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस रिकॉर्ड के मुताबिक, जुनैद के खिलाफ 2021 से अब तक पानीपत में करीब 7 आपराधिक केस दर्ज हैं। इसके अलावा यूपी में भी उसके खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। पुलिस पूछताछ में गढ़ी बेसिक गांव के रहने वाले नदीम ने बताया कि 5 साल पहले उसकी बहन नदीमा की शादी जुनैद से हुई थी। शादी के कुछ ही दिनों बाद से दोनों के बीच झगड़े शुरू हो गए। तीन साल पहले नदीम अपनी बहन को मायके ले आया था, जिसके बाद जुनैद ने उससे बदला लेना शुरू कर दिया। नदीम ने आरोप लगाया कि जुनैद ने गढ़ी बेसिक में उस पर फायरिंग की और जान से मारने की धमकी दी। इस मामले में पहले भी केस दर्ज किया गया था। जुनैद फिलहाल जमानत पर था, लेकिन अब पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित नदीम ने बताया कि जुनैद ने 1 जुलाई को सहारनपुर निवासी उसके मामा एहसान पर फायरिंग की, जिसमें एहसान के हाथ पर गोली लगी। इसके बाद 8 जुलाई को पत्थरगढ़ निवासी जीजा साकिर को भी निशाना बनाया गया। परिजनों ने इन घटनाओं को लेकर 10 दिन पहले एसपी से शिकायत भी की थी। पुलिस करेगी और खुलासे पुलिस का कहना है कि जुनैद से पूछताछ की जा रही है। उससे जुड़े अन्य मामलों की भी जांच की जाएगी और जल्द ही अन्य आरोपियों के बारे में भी खुलासा हो सकता है।

शिमला के स्कूल से बच्चों के लापता होने में बड़ा खुलासा, किडनैपर ने 65 K.M. दूर छिपा कर रखा

करनाल : शिमला में फेमस बिशप कॉटन स्कूल से लापता तीनों बच्चों को बरामद कर लिया गया है।

तीनों में एक बच्चा अंगद करनाल के फूसगढ़ का रहने वाला था। अंगद के पिता दलबीर की मौत 3 साल पहले हो चुकी है। दलबीर के भाई पप्पू लाठर करनाल के वार्ड-3 के पार्षद हैं। अंगद पिछले 2 साल से इसी स्कूल में पढ़ रहा है। रविवार को तीनों बच्चे यहां शिमला के ही कोटखाई के चैथला में मिले। मामले में एक आरोपी को भी गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बच्चों के परिजनों को कॉल कर कहा था कि उनके बच्चों को खतरनाक आदमी ने गिरफ्तार किया है।

वह उनको बच्चों तक पहुंचा सकता है लेकिन व्यक्ति पैसे मांग रहा था। तीनों बच्चे छठी क्लास के विद्यार्थी हैं।

इनमें एक हिमाचल के कुल्लू, दूसरा पंजाब के मोहाली और तीसरा हरियाणा के करनाल का रहने वाला है। इन बच्चों के नाम अंगद, हितेंद्र और विदांश हैं। पुलिस के मुताबिक ये तीनों रक्षाबंधन के दिन दोपहर आऊटिंग गेट पास लेकर मॉल रोड तक घूमने के लिए गए थे। आऊटिंग गेट पास की सीमा 5 बजे खत्म होने के कई घंटे तक तीनों वापस नहीं लौटे। स्कूल प्रबंधन उन्हें अपने स्तर पर तलाश करता रहा लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। स्कूल के प्रिंसीपल मैथ्यू पी जॉन ने बच्चों के लापता होने की लिखित शिकायत पुलिस को दी थी। खास सुराग मिलने पर पुलिस टीमों ने कोटखाई में एक घर को चिन्हित किया, वहां से सुबह बच्चों को सुरक्षित बरामद कर लिया।

हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा का रिजल्ट जल्द होगा घोषित, शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन ने बताई ये तारीख

भिवानी : हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के परिणाम का इंतजार कर रहे अभ्यार्थियों के लिए बड़ी अपडेट सामने आई है। दरअसल, हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन डॉ. पवन कुमार ने कहा कि अध्यापक पात्रता परीक्षा का परिणाम जल्द ही घोषित कर दिया जाएगा। इसको लेकर आंस्वर शीट की स्कैनिंग का कार्य पूरा हो चुका है। किसी भी परीक्षार्थी के साथ अन्याय ना हो, इसके लिए रिजल्ट को विभिन्न स्तरों पर जांच के बाद उसे जारी कर दिया जाएगा।

चेयरमैन ने कहा कि अध्यापक पात्रता परीक्षा के लेवल-1, लेवल-2 व लेवल-3 में परीक्षार्थियों से आब्जेक्शन दर्ज करवाने के बाद एक्सपर्ट का रिव्यू ले लिया गया है।

उन्होंने कहा कि सबसे अधिक ऑब्जेक्शन इंग्लिश विषय के आए है। जो ऑब्जेक्शन तकनीकी व तार्किक तौर पर सही है, उन्हे अंकों में परिवर्तित किया जाएगा। हालांकि उन्होंने कहा कि आंस्वर की को रिवाईज नहीं किया जाएगा।

बोर्ड चेयरमैन डॉ. पवन कुमार ने कहा कि 30 व 31 जुलाई को आयोजित हुई हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा के परिणाम पूर्ण सतर्कता के साथ तैयार किए जाएंगे। जिन्हे जल्द ही घोषित कर दिया जाएगा। एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि सीईटी की परीक्षा पैटर्न अध्यापक पात्रता परीक्षा के पैटर्न से अलग था। क्योंकि हरियाणा अध्यापक पात्रता परीक्षा में तीन लेवल में परीक्षाएं हुई है। जो तीन विभिन्न कक्षाओं के विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए अध्यापकों की योग्यता जांचने का कार्य परीक्षा के माध्यम से हुआ है। डॉ. पवन कुमार ने कहा कि त्रिभाषी फॉमूर्ला के तहत हरियाणा में संस्कृत के अलावा पंजाबी व उर्दू भाषा को भी पढ़ने का अवसर परीक्षार्थियों को दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत भाषा विभिन्न भाषाओं की जननी है। जिसका प्रयोग आदि काल से होता आ रहा है। वही इस मौके पर उन्होंने दिवंगत शिक्षाविद प्रो. आर डी वर्मा को श्रद्धांजलि दी तथा उनकी याद में काव्य संग्रह कविता क्यो का विमोचन भी किया।

नूंह में भरभरा कर गिरा मकान, 2 मासूम बच्चों की हुई मौत, 1 बच्चे की हालत गंभीर

नूंह : हरियाणा के नूंह जिले में पिछले दो दिन हुई रिमझिम बारिश के कारण रविवारझसोमवार की रात पिनगवां खंड के गांव रीठठ में एक मकान भरभरा कर गिर गया। जिसमें एक ही परिवार के 5 लोग दब गए। इस हादसे में 2 बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए नल्हड़ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां एक बच्चे की गंभीर हालत देखते हुए उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया।

जहां उसकी हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। गांव रीठठ के रहने वाले हाजी इकबाल ने बताया कि उनके बेटे सलीम ने वर्ष 2010 में खेतों पर मकान बनाया था। जिसमें वह अपने परिवार के साथ रहता है। बीते दिन सलीम अपने बच्चों के साथ घर में सो रहा था। रविवारझ सोमवार की रात करीब 1 बजे मकान की पीछे वाली दीवार गिर गई। पीछे एक खाली खेत था, जिसमें दो दिन पहले हुई बरसात के कारण पानी भरा हुआ था। दीवार के गिरने से दो कमरों की छत टूटकर नीचे गिर गई। एक कमरे के अंदर सो रहा सलीम का पूरा परिवार दब गया। रात के समय इस हादसे की सूचना जैसे ही ग्रामीणों को लगी वैसे ही मौके पर भीड़ इकट्ठा हो गई और बचाव कार्य में जुट गए। हाजी इकबाल ने बताया कि हादसे के बाद मौके पर पुलिस भी पहुंच गई। कड़ी मशक्कत के बाद दबे हुए पांच लोगों को मलबे से बाहर निकाला गया। जिनमें से उम्मर (12) और नायरा (7) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं सलीम,उसकी पत्नी और एक 5 साल का लड़का गंभीर रूप से घायल हो गया। जिन्हें रात को ही नल्हड़ मेडिकल कॉलेज भर्ती किया गया। जहां से 5 साल के लड़के की गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

3 साल पहले अमरिका गया था करनाल का युवक, अब परिवार पर टूटा दु:खों का पहाड़

करनालः अमरिका में करनाल के गांव मंचूरी के रहने वाले ट्राला चालक गुरुमहक सिंह सिद्ध (26) की मौत हो गई। गुरुमहक करीब 3 साल पहले अमरीका गया था और वहां ट्राला चालक बन गया। अमरीका जाने के बाद गुरुमहक ने एक स्टोर पर काम किया और कुछ समय बाद ड्राइविंग लाइसैंस बनवा लिया। लाइसैंस बनने के बाद गुरुमहक एक ट्राले पर चालक की ड्यूटी करने लगा।

दोस्तों ने परिवार को जानकारी में बताया कि गुरुमहक शनिवार शाम ट्राले में माल लेकर वॉशिंगटन से कैलिफोर्निया आ रहा था। अचानक अनियंत्रित होकर ट्राला खाई में जाकर गिर गया। गांव मंचूरी के पूर्व सरपंच हीरा सिंह ने अपने बेटे को अमरीका भेजने के लिए करीब 35 लाख रुपए खर्च किए थे।

परिजन सरपंच सुभाष ने बताया कि कुछ समय पहले ही मंचूरी के पूर्व सरपंच हीरा सिंह अपनी पत्नी को लेकर कुरुक्षेत्र चले गए। 2 साल

पहले तक हीरा सिंह खुद ही खेतीबाड़ी करते थे लेकिन बेटे के अमरीका जाने और उसकी शादी के बाद उन्होंने खेतीबाड़ी छोड़ दी। पिता हीरा का कहना है कि कर्ज लेने के बाद परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं है। बेटे के शव को भारत लाने में परिवार ने मदद मांगी है।

टोहाना के ट्रेड फेयर में झूला गिरने से हादसा, एक ही परिवार के 3 लोग घायल

टोहाना : टोहाना शहर के हिसार रोड स्थित टोहाना ट्रेड फेयर में झूला गिरने से एक ही परिवार के तीन लोग घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया है। घटना की सूचना पाकर पहुंची शहर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। घायल के पिता रोहित ने बताया कि वह अपनी पत्नी पलक और बेटी के साथ ट्रेड फेयर में आए थे लेकिन अचानक से टॉय ट्रेन वाला झूला टूटकर नीचे गिर गया है जिसके बाद तीनों घायलों को अस्पताल ले जाया गया हैं। रोहित ने टोहाना प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि परमिशन को रद्द करने की मांग की है।

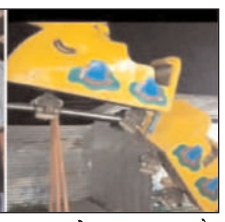

घायल के परिजन दर्शन सिंगला ने बताया कि उसका बेटा अपने परिवार के साथ ट्रेड फेयर में आया था लेकिन अचानक झुला टूट जाने के कारण परिवार के तीनों सदस्य एकदम से नीचे गिर गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है। उन्होंने बताया कि ट्रेड फेयर के बाहर कोई एम्बुलेंस और फायर ब्रिगेड भी नहीं है इसलिए यह नियमों की अवहेलना है।

पानीपत में CÔrpet फैक्ट्री में लगी आग, चौकीदार ने दी सूचना, मौके पर पहुंचीं दमकल की 10 गाड़ियां

पानीपत : पानीपत के सेक्टर 29 स्थित MRR प्राइवेट लिमिटेड फैक्ट्री में सोमवार सुबह करीब 4 बजे भीषण आग लग गई। रविवार की सुबह वाली शिफ्ट के बाद से फैक्ट्री बंद थी। अलसुबह चौकीदार ने आग लगने की सूचना मालिक को दी। साथ ही दमकल को भी सूचित किया गया। सूचना मिलने पर दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग लगने से लाखों रुपये का सामान जलकर राख हो गया। जानकारी के मुताबिक सेक्टर 29 में उधमी रमेश वर्मा की MRR प्राइवेट लिमिटेड नाम से फैक्ट्री है, जिसमें दरिया, बाथ मैट बनाए जाते हैं। रविवार सुबह की शिफ्ट के बाद 8 बजे से फैक्ट्री बंद

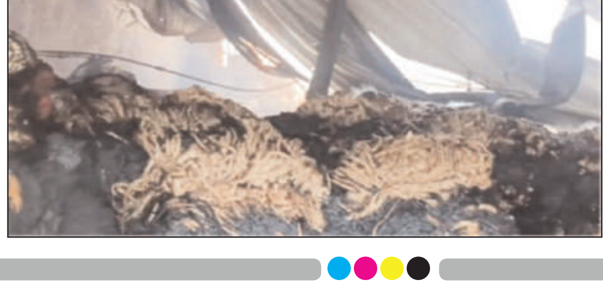

है। सोमवार अचानक सुबह 4 बजे फैक्ट्री से चौकीदार ने फैक्ट्री मालिक को फोन कर आग लगने की सूचना दी। सूचना पर रमेश वर्मा फैक्ट्री पहुंचे। फायर ब्रिगेड की 10 गाड़ियां पहले ही मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाने का प्रयास कर रही थी। आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। इस आगजनी से फैक्ट्री में कीमती सामान और मशीन जलकर खाक हो गई। आग बुझाने के लिए पानीपत के कई फायर स्टेशनों से फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मंगवानी पड़ी। हालांकि आग लगने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वहीं, फैक्ट्री संचालक ने बताया कि फिलहाल आग पर काबू पाया जा चुका है।

हरमनप्रीत ने विश्व कप से पहले बताई योजना, युवराज सिंह बोले- शुरू से ही चैंपियन बनने के बारे में ना सोचें

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सोमवार को कहा कि उनकी टीम मिथक तोड़कर अगले महीने शुरू हो रहे एकदिवसीय महिला विश्व कप में आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय महिला क्रिकेट टीम अभी तक कोई विश्व खिताब नहीं जीत पाई है हालांकि कुछ अवसरों पर वह इसके करीब पहुंची थी। इसमें 2017 में इंग्लैंड में खेला गया वनडे विश्व कप भी शामिल है जिसमें भारत उपविजेता रहा था।

हरमनप्रीत ने वनडे विश्व कप ट्रॉफी के अनावरण समारोह में कहा, 'हम उस मिथक को तोड़ना चाहते हैं जिसका सभी भारतीय इंतजार कर रहे हैं। विश्व कप हमेशा खास होता है। मैं हमेशा अपने देश के लिए कुछ खास करना चाहती हूं। जब भी मैं युवी भैया (युवराज सिंह) को देखती हूं तो मुझे काफी प्रेरणा मिलती है।'

इस अवसर पर पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह, पूर्व कप्तान मिताली राज और हरमनप्रीत की टीम की साथी स्मृति मंधाना और जेमिमा रोड्रिग्स भी उपस्थित थे। भारतीय टीम का हाल में प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा है। उसने इंग्लैंड दौरे में टी20 और वनडे श्रृंखला जीती थी। वह 30 सितंबर से शुरू होने वाले विश्व कप से पहले 14 सितंबर से खिताब की प्रबल दावेदार ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे मैच की घरेलू श्रृंखला खेलेगी और हरमनप्रीत ने कहा कि इससे उनकी टीम को खुद को परखने का मौका मिलेगा।

हरमनप्रीत ने कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है और हमें इससे अपनी स्थिति का पता चलता है। यह श्रृंखला (ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन वनडे) हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण है और इससे हमारा आत्मविश्वास बढ़ेगा। हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं जिसके परिणाम सामने आ रहे हैं।' हरमनप्रीत ने 2017 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सेमीफाइनल में 171 रन की जोरदार पारी खेल कर अपनी टीम को जीत दिलाई थी। उस पारी की यादें अब भी उनके जेहन में ताजा हैं।

उन्होंने कहा, 'वह पारी मेरे और महिला क्रिकेट के लिए वाकई बहुत खास थी। उस पारी के बाद मेरे लिए बहुत कुछ बदल गया। हम भले ही फाइनल में हार गए थे लेकिन जब हम वापस लौटे तो बहुत सारे लोग हमारा इंतजार कर रहे थे और हमारा उत्साह बढ़ा रहे थे। मैं उसे याद करके आज भी रोमांचित हो जाती हूं।' वनडे विश्व कप 2011 के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे युवराज ने कहा कि खिलाड़ियों को यह विश्वास रखना होगा कि वे देश के लिए मैच जीत सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मैं कहूंगा कि परिस्थिति के अनुसार खेलें, अपेक्षा के अनुसार नहीं और वर्तमान में बने रहें।'

युवराज ने कहा, 'यह इतिहास रचने का शानदार मौका है लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आप शुरू से ही चैंपियन बनने के बारे में सोचने लग जाओ। आपको इस पूरी प्रक्रिया को महसूस करना होगा कि हमने कड़ी मेहनत की है और परिणाम हमारे अनुकूल रहेंगे। आपको खुद पर भरोसा रखना होगा और यह विश्वास बनाए रखना होगा कि आप देश के लिए मैच जीत सकते हैं।'

रोड्रिग्स और मंधाना दोनों ने कहा कि तैयारियों के मामले में टीम के रवैये में महत्वपूर्ण बदलाव आया है। रोड्रिग्स ने कहा, 'मेरी तैयारी और मानसिकता में बहुत कुछ बदल गया है। अच्छी तैयारी से मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है।' मंधाना ने कहा,

'हमारी पूरी टीम उस दिशा में बढ़ रही है जहां हमें पता है कि हमें मैदान के बाहर बहुत मेहनत करनी होगी और जब हम मैदान पर उतरते हैं, तो हमें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।' मिताली ने कहा कि 2017 विश्व कप महिला क्रिकेट के लिए महत्वपूर्ण मोड़ था। उन्होंने कहा, 'विश्व कप 2017 ने वास्तव में न केवल भारत में बल्कि विश्व स्तर पर महिला क्रिकेट को बदल दिया, क्योंकि सोशल मीडिया अपेक्षाकृत नया था (और) आईसीसी ने बड़े पैमाने पर प्रचार करने में अपनी भूमिका निभाई थी।'

आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता ने कहा कि 30 सितंबर से शुरू होने वाला यह विश्व कप महिला क्रिकेट को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। गुप्ता ने कहा, 'यहां एक बड़ी तस्वीर है जो इस बात से जुड़ी है कि देश के लिए इसका क्या मतलब है। महिला क्रिकेट का विकास कई मायनों में देश की प्रगति का प्रतिबिंब है। पिछले कुछ वर्षों में महिला क्रिकेट ने बहुत प्रगति की है और यह विश्व कप उसे नई ऊंचाई पर ले जाने का आधार बन सकता है।'

अक्षर पटेल से छिन सकती है टी20 टीम की उप-कप्तानी, एशिया कप 2025 से पहले इसे मिलेगा मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। अक्षर पटेल को इस साल की शुरुआत में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार यादव की जगह उप-कप्तानी सौंपी गई थी। लेकिन एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी एशिया कप के लिए उनके हाथों से टी20 टीम की उप-कप्तानी छिन सकती है। गुजरात के इस ऑलराउंडर ने बल्ले से तो कुछ खास कमाल नहीं दिखाया, लेकिन उन्होंने इंग्लैंड के खिलाफ गेंद से अच्छा प्रदर्शन किया और 5 मैचों में 16.50 की औसत से छह विकेट लिए।

एक रिपोर्ट के अनुसार आगामी एशिया कप के लिए भारतीय टी20 टीम में सूर्यकुमार यादव की जगह शुभमन गिल को उप-कप्तान बनाया जा सकता है। एशिया कप 9 सितंबर से 28 सितंबर तक यूएई में खेला जाएगा। शुभमन ने हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में भारत का नेतृत्व किया था। पंजाब के इस बल्लेबाज ने सीरीज में 10 पारियों में 75.40 की औसत से सबसे ज्यादा 754 रन बनाए। भारत ने सीरीज 2-2 से बराबर करने के लिए काफी साहस और दृढ़ संकल्प दिखाया।

दिलचस्प बात यह है कि शुभमन ने जुलाई 2024 के बाद से टी20आई क्रिकेट नहीं खेला है। उन्होंने 21 टी20आई में 30.42 की औसत और 139.28 के स्ट्राइक रेट से 578 रन बनाए हैं। शुभमन की टीम में वापसी से अभिषेक शर्मा की शीर्ष क्रम में जगह खतरे में पड़ सकती है। संजू सैमसन के विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में खेलने और पारी की शुरुआत करने की उम्मीद है। आईपीएल में सलामी बल्लेबाजी करने वाले शुभमन भी शीर्ष क्रम में उनके साथ शामिल हो सकते हैं। यशस्वी जायसवाल भी टीम में जगह बनाने की दौड़ में हैं।

रोहित और विराट से आगे बढ़कर युवाओं को अवसर दें चयनकर्ता : देवांग

मुम्बई (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर और चयनकर्ता रहे देवांग गांधी ने कहा है कि रोहित शर्मा और विराट कोहली का भारतीय क्रिकेट में अहम योगदान रहा है। इसमें किसी को भी कोई संदेह नहीं है पर भविष्य को देखते हुए भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रोहित शर्मा और विराट कोहली से आगे निकलकर युवाओं को अवसर दे। देवांग के अनुसार रोहित और विराट ने भारतीय क्रिकेट को काफी आगे पहुंचाया है पर समय किसी का इंतज़ार नहीं करता। देवांग ने कहा, यशस्वी जायसवाल, ऋषभ पंत, साई सुदर्शन जैसे युवाओं को आप बाहर कैसे रख सकते हैं। इस खिलाड़ियों ने साबित किया है कि वे हर प्रकार के हालातों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। साथ ही कहा कि जब एक बार जब कोई खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर लेता है और उसके पास काफी बेहतर क्षमता आ जाती है जिसका लाभ उसे एकदिवसीय में मिलता है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ता और टीम प्रबंधन एक साथ मिलकर कोई फैसला लें। ये भी देखा जाना चाहिये कि अगर रोहित और विराट को रखा जाता है तो क्या वे अगले दो साल तक खेल सकते हैं। गांधी ने कहा, अगर एक साल में हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं जहां उनमें से कोई एक अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहा है तो हमारे पास उसके जगह किसी और को शामिल करने का विकल्प होना चाहिये। कप्तानी का सवाल भी उतना ही महत्वपूर्ण है और चयनकर्ताओं को इस पर फैसला लेना होगा। शुभमन पहले ही टेस्ट मैचों में कप्तानी के लिए अपने को साबित कर चुके हैं और अपनी मौजूदा फॉर्म को देखते हुए, वह अभी देश के सर्वश्रेष्ठ एकदिवसीय बल्लेबाज हैं, जिनका औसत 59.04 और स्ट्राइक रेट 99.56 है।

इंग्लैंड दौरे पर इसलिए नहीं गए मोहम्मद शमी, बीसीसीआई चयनकर्ताओं ने की खिलाड़ी से थी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय तेज गेंदबाज़ मोहम्मद शमी बार-बार चोटों से जूझ रहे हैं जिससे उनके करियर के खत्म होने का खतरा मंडरा रहा है। फिटनेस संबंधी चिंताओं के कारण शमी को इंग्लैंड के खिलाफ भारत की 5 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए नहीं चुना गया था। अब नई रिपोर्ट्स सामने आई हैं, जिनमें कहा गया है कि इंग्लैंड जाने वाली टीम के चयन से पहले अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली बीसीसीआई चयन समिति ने शमी से सलाह भी ली थी। हालांकि तेज गेंदबाज़ खुद अपनी फिटनेस को लेकर आश्वस्त नहीं थे।

एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई के एक अंदरूनी सूत्र ने कहा, 'सबसे पहले, उन्हें खराब फॉर्म के कारण टीम से बाहर नहीं किया गया। फिटनेस संबंधी समस्या ही एकमात्र कारण है जिसकी वजह से वह इंग्लैंड नहीं जा सके।' शमी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत की 5 मैचों की सीरीज में भी शामिल नहीं थे, लेकिन फिटनेस को लेकर उनके मन में चल रहे संशय के कारण ही उन्हें इंग्लैंड जाने वाली टीम में जगह नहीं मिली।

रिपोर्ट के अनुसार सूत्र ने आगे कहा, 'ऑस्ट्रेलिया के पिछले दौरे में न खेल पाने के बाद इंग्लैंड सीरीज के लिए उनकी उपस्थिति बेहद जरूरी थी। चयनकर्ताओं ने टीम चुनने से पहले उनसे बात भी की थी, लेकिन वह ज्यादा आश्वस्त नहीं दिखे। उनकी तरफ से वह जरूरी आश्वासन नहीं मिला जिसकी उन्हें जरूरत थी। यह भी जानना जरूरी है कि क्या शमी खुद लंबे प्रारूप में वापसी के इच्छुक हैं।'

शमी चयन की संभावना से पूरी तरह बाहर नहीं हैं, लेकिन उनका भारतीय टीम में भविष्य 28 अगस्त से शुरू हो रही दलीप ट्रॉफी में उनकी फॉर्म और फिटनेस पर निर्भर करता है। शमी के पूर्वी क्षेत्र की टीम का हिस्सा होने की उम्मीद है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने कहा गया, 'हमें यह देखना होगा कि अगर ईस्ट जोन क्वार्टर फाइनल चरण पार कर लेता है और आगे भी प्रगति करता रहता है, तब भी क्या वह खेलेगा। क्या उसका शरीर, उसके घुटने और हैमस्ट्रिंग की चोट को देखते हुए

इसकी अनुमति देगा? रणजी मैच में वह एक स्पेल में तीन-चार ओवर फेंकता था और फिर मैदान से बाहर चला जाता था। इसलिए, क्या उसका शरीर कई दिनों तक चलने वाले मैच की कठिनाइयों को झेल पाएगा, यह एक पेचीदा सवाल है।'

किरमानी से मिलती है नई पीढ़ी को प्रेरणा : सिराज

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज सैयद किरमानी की आत्मकथा लाइफ बिहाइंड ऐंड बियॉन्ड द ट्वेंटी टू याड्र्स का हैदराबाद में विमोचन हुआ। किरमानी की आत्मकथा के विमोचन कार्यक्रम में मोहम्मद अजहरुद्दीन, मोहम्मद सिराज सहित कई हस्तियां शामिल हुईं। इस अवसर पर सिराज ने कहा कि 1983 विश्वकप विजेता टीम के सदस्य रहे किरमानी से नई पीढ़ी को प्रेरणा मिलती है। सिराज ने कहा, सर जब आपने 1983 में विश्वकप जीता था तब हम पैदा तक नहीं हुए थे। इस दौरान सिराज ने कहा कि आपकी कहानी हौसला बढ़ाने वाली और प्रेरक है। मैंने कई खिलाड़ियों से सुना है कि विकेट के पीछे आपके रिफ्लेक्सेज असाधारण थे। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए सब कुछ देने के लिए आपको बहुत-बहुत धन्यवाद।' जवाब में इस पूर्व विकेटकीपर ने भी एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी में शानदार गेंदबाजी के लिए सिराज की प्रशंसा की। किरमानी ने कहा, 'आपने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया। मेरी तरफ से आपको बधाई। आपने देश को गौरव प्रदान किया है। वह आक्रामकता एकदम दिल से थी। मेरी कामना है कि आपको हर तरह की सफलता मिले।' पूर्व कप्तान अजहर ने भी किरमानी की तारीफ करते हुए कहा, यह महत्वपूर्ण है कि उन्होंने इसे हैदराबाद में भी रिलीज किया है। वह भविष्य में बहुत से विकेटकीपरों और क्रिकेटरों का मार्गदर्शन करेंगे। मैं निश्चित तौर पर सभी युवा विकेटकीपरों से उनके पास जाने की गुजारिश करूंगा क्योंकि मेरा मानना है कि वह एक बेहतरीन विकेटकपर रहे हैं।

फिटनेस टेस्ट के लिए एनसीए पहुंचे पंड्या सेंटर, पास होने पर ही एशिया कप खेल पाएंगे

बेंगलुरु। भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (एनसीए) पहुंचे। जहां अगले दो दिनों तक उनका फिटनेस टेस्ट होगा। इसमें पास होने पर ही वह अगले माह होने वाले एशिया कप में खेल पायेंगे। पंड्या ने 2024 टी-20 विश्व कप और 2025 चैंपियंस ट्रॉफी में भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। एशिया कप 9 सितंबर से शुरु होगा। पंड्या से पहले बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने 27 से 29 जुलाई के बीच अपना फिटनेस टेस्ट पूरा किया था। श्रेयस ने दिसंबर 2023 से ही भारतीय टीम की ओर से कोई भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है। ऐसे में देखना है कि क्या चयनकर्ता उन्हें शामिल करते हैं या नहीं। वहीं भारतीय टी-20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव भी अभी तक पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। सूर्यकुमार की जून में म्यूनिख में स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी हुई थी। वह भी अगले एक सप्ताह तक एनसीए में ही रहेंगे और फिजियो-मेडिकल टीम की निगरानी में फिटनेस हासिल करने का प्रयास करेंगे। भारत की मेजबानी में यूएई में 9 से 28 सितंबर तक होने वाले टूर्नामेंट में भारतीय टीम को पाकिस्तान से भी 14 अक्टूबर को खेलना है। इस मैच का हालांकि काफी विरोध हो रहा और प्रशंसकों का कहना है कि टीम को पाक से नहीं खेलना चाहिये। दोनों टीमें टूर्नामेंट में तीन बार तक आमने-सामने आ सकती हैं एशिया कप में भारतीय टीम का पहला मुकाबला 10 सितंबर को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से होगा।

वेस्टइंडीज ने पाकिस्तान को पांच विकेट से हराकर सीरीज 1-1 से बराबर की

तरौबा (त्रिनिदाद एंड टोबैगो) (एजेंसी)। रॉस्टन चेज़ और जस्टिन ग्रीव्स की शानदार साझेदारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने सोमवार को (भारतीय समयानुसार) वर्षा बाधित दूसरे वनडे में पाकिस्तान को 10 गेंद शेष रहते पांच विकेट से हराकर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली।

चेज़ ने 47 गेंदों पर नाबाद 49 रन बनाए, जिसमें दो छक्के और विजयी चौका शामिल था। वेस्टइंडीज ने 33.2 ओवर में पांच विकेट पर 184 रन बनाकर लक्ष्य हासिल किया। मेज़बान टीम को बारिश के कारण डीएलएस पद्धति से 35 ओवर में 181 रन का संशोधित लक्ष्य मिला था। पाकिस्तान की पारी 37 ओवर में सात विकेट पर 171 रन पर सिमटी। तेज़ गेंदबाज़ जेडन सील्स ने सात ओवर में 23 रन देकर तीन विकेट लिए।

लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने 18वें ओवर तक तीन विकेट पर 101 रन बनाए थे, लेकिन 24वें ओवर तक स्कोर 111/5 हो गया। इस दौरान शेरफेन रदरफोर्ड 33 गेंदों पर 45 रन बनाकर आउट हुए, जिसमें तीन छक्के और चार चौके शामिल थे। चेज़ और ग्रीव्स (31 गेंदों पर नाबाद 26) ने छठे विकेट के लिए 77 रनों की नाबाद साझेदारी कर टीम को जीत दिलाई।

इससे पहले वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर गेंदबाज़ी चुनी। पाकिस्तान के लिए हसन नवाज़ ने 30 गेंदों पर नाबाद 36 रन बनाए, जिसमें तीन छक्के शामिल थे – दो छक्के आखिरी ओवर में आए, जिसके बाद बारिश ने खेल रोक दिया। हुसैन तलत ने 32 गेंदों पर 31 रन जोड़े। कप्तान मोहम्मद रिज़वान 38 गेंदों पर 16 रन बनाकर गुडकैश मोटी की गेंद पर एलबीडब्ल्यू हुए।

गौरतलब है कि शुक्रवार को खेले गए पहले वनडे में पाकिस्तान ने भी वेस्टइंडीज को पांच विकेट से हराया था। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मुकाबला मंगलवार को इसी मैदान पर खेला जाएगा। इससे पहले फ्लोरिडा में खेली गई टी20 सीरीज पाकिस्तान ने 2-1 से जीती थी।

बार्सिलोना ने कोमो को 5–0 से हराकर जीती जोआन गैम्पर ट्रॉफी

बार्सिलोना। मौजूदा स्पेनिश चैंपियन बार्सिलोना ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) इटली की टीम कोमो को 5–0 से मात देकर अपने प्री-सीज़न की तैयारी पूरी की और जोआन गैम्पर ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच ने गोलकीपर मार्क-आंद्रे टेर स्टेगन और क्लब के बीच रिश्तों में आई तल्खी को भी कम करने का संकेत दिया। मैच में फ़रमिन लोपेज़ और लामिन यामाल ने दो-दो गोल दागे, जबकि ब्राज़ीली राफिन्हा ने पहला गोल किया। यह मुकाबला जोहान क्रूइफ़ स्टेडियम में खेला गया, क्योंकि कैम्प नोउ के आधुनिकीकरण का काम अभी जारी है। हांसी फ़्लिक की टीम ने लीग खिताब बचाने की तैयारी में जबरदस्त लय दिखाई। मैच से पहले टेर स्टेगन ने पारंपरिक कप्तानी संबोधन किया। हाल ही में उनकी पीठ की चोट को लेकर क्लब से विवाद सामने आया था, लेकिन 33 वर्षीय जर्मन गोलकीपर ने कहा, 'क्लब और मेरे बीच मुद्दा सुलझाना ज़रूरी था, अब आगे देखने का समय है। हम सभी ट्रॉफियों के लिए फिर से लड़ेंगे और उम्मीद है आपकी मदद से सभी खिताब जीतेंगे।' दो दिन पहले ही उन्हें कप्तानी वापस सौंपी गई थी। बार्सिलोना ने इंग्लिश फॉरवर्ड मार्कस रैशफोर्ड को भी बतौर सब्स्टीट्यूट मौका दिया, जो दो हफ्ते पहले मैनचेस्टर यूनाइटेड से लोन पर टीम में शामिल हुए थे। रैशफोर्ड ने राफिन्हा के गोल में असिस्ट किया, लेकिन एक आसान मौके पर खाली गोल में गेंद डालने से चूक भी गए।

रोनाल्डो के दो गोल बेकार, प्री-सीजन फ्रेंडली में अलमेरिया ने अल नास्र को 3-2 से हराया

अलमेरिया (स्पेन) (एजेंसी)। क्रिस्टियानो रोनाल्डो के शानदार दो गोल भी अल नास्र को हार से नहीं बचा सके। सऊदी प्रो लीग क्लब अल नास्र को रविवार को ला लीगा 2 की टीम यूडी अलमेरिया के खिलाफ प्री-सीजन फ्रेंडली मुकाबले में 2-3 से शिकस्त झेलनी पड़ी।

मैच की शुरुआत में ही 6वें मिनट में सर्जियो अरीबास ने लियो बैप्टिस्टाओ के पास पर गोल कर अलमेरिया को बढ़त दिला दी। हालांकि, 11वें मिनट में आयमन यह्या और सादियो माने के बेहतरीन वन-टच पासिंग मूव पर रोनाल्डो ने पेनल्टी बॉक्स के भीतर से गोल दागकर स्कोर बराबर कर दिया।

पहले हाफ में ही रोनाल्डो ने अपना दूसरा गोल भी किया। गोलकीपर अल्वारो फर्नांडीज द्वारा बॉक्स में फाउल करने पर मिली पेनल्टी को उन्होंने आसानी से गोल में बदल दिया। इस तरह रोनाल्डो ने दो मैचों में कुल पांच गोल पूरे किए।

लेकिन अल नास्र के गोलकीपर नवाफ अल-अकीदी की एक बड़ी गलती ने टीम को मुश्किल में डाल दिया। बॉक्स से बाहर निकलकर पास काटने के प्रयास में उन्होंने गेंद सीधे एड्रियन एम्बार्बा को दे दी, जिसने खाली गोल में गेंद डालकर स्कोर बराबर कर दिया।

दूसरे हाफ में रोनाल्डो को सब्स्टीट्यूट करने के बाद अल नास्र का आक्रमण कमजोर पड़ गया। अलमेरिया के एम्बार्बा ने अरीबास के पास पर शानदार शॉट लगाकर टीम को निर्णायक बढ़त दिलाई। मैच के अंतिम मिनटों में जोआओ फेलिक्स को बराबरी का मौका मिला, लेकिन वह दाईं ओर से आए लो क्रॉस पर अंतिम टच नहीं दे सके और अल नास्र को हार का सामना करना पड़ा।

क्रिस्टल पैलेस ने लिवरपूल को पेनल्टी शूटआउट में हराकर जीता कम्युनिटी शील्ड का खिताब

लंदन। लंदन के वेम्बली स्टेडियम में रविवार को खेले गए कम्युनिटी शील्ड मुकाबले में क्रिस्टल पैलेस ने प्रीमियर लीग चैम्पियन लिवरपूल को 3–2 से पेनल्टी शूटआउट में हराकर खिताब अपने नाम किया। निर्धारित समय में मैच 2–2 से ड्रॉ रहा। गोलकीपर डीन हेंडरसन ने एक बार फिर अपनी पेनल्टी बचाने की शानदार क्षमता दिखाई, जैसा उन्होंने एफए कप फाइनल में भी किया था। सब्स्टीट्यूट जस्टिन डेवेनी ने निर्णायक पेनल्टी गोल कर पैलेस को जीत दिलाई। लिवरपूल की ओर से मोहम्मद सालाह ने पहली पेनल्टी बार के ऊपर मार दी, जबकि हेंडरसन ने एलेक्सिस मैक एलिस्टर और हार्वे एलियट के शॉट रोक दिए।

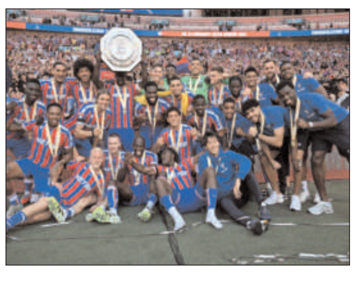

मैच की शुरुआत में ही लिवरपूल ने बढ़त बनाई। चौथे मिनट में नए खिलाड़ी ह्यूगो एकीटीके ने फ्लोरियन विट्ज़ के साथ बेहतरीन तालमेल के बाद गोल किया। 17वें मिनट में वर्जिल वान डाइक के फाउल पर मिले पेनल्टी को जीन-फिलिप माटेटा ने गोल में बदलकर पैलेस को बराबरी दिलाई। 20वें मिनट में जेरमी फ्रिमपोंग ने लिवरपूल के लिए दूसरा गोल किया, जो क्रॉस की कोशिश के दौरान पोस्ट से टकराकर गोल में चला गया। इसके बाद एकीटीके ने दूसरे हाफ में लिवरपूल की बढ़त बढ़ाने के दो मौके गंवाए।

आईपीएल 2026 खेलने पर धोनी ने दी बड़ी अपडेट, घुटनों में जो दर्द होता है उसका ख्याल कौन रखेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 सीजन को लेकर सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या एमएस धोनी चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने के लिए वापसी करेंगे या नही। घुटने के दर्द से लगातार जूझने के बावजूद लंबे समय से कप्तान रहे धोनी ने लगातार अपनी टीम को प्राथमिकता दी है और उन्हें पांच चैंपियनशिप दिलाई है। हालांकि आईपीएल 2025 में ष्टस्य अंक तालिका में सबसे निचले पायदान पर रही। जिससे यह अनिश्चित है कि धोनी एक खिलाड़ी के रूप में आईपीएल 2026 में खेलेंगे या नहीं।

धोनी ने हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम में अपने भविष्य को लेकर चल रही अटकलो पर बात की। अपनी योजनाओ पर चर्चा करते हुए 2011 विश्व कप विजेता कप्तान ने कहा कि आईपीएल 2026 में खेलने के बारे में फैसला लेने के लिए उनके पास अभी भी काफी समय है। उनकी इस टिप्पणी ने प्रशंसको और क्रिकेट पंडितो को यह देखने के लिए उत्सुक कर दिया है कि क्या वह एक और सीजन के लिए पीली जर्सी पहनेंगे।

धोनी ने कहा, 'मुझे नहीं पता कि मैं खेलूंगा या नहीं। मेरे पास फैसला करने के लिए समय है। मेरे पास दिसंबर तक का समय है इसलिए मैं कुछ और महीने लूंगा और फिर आखिरकार मैं अपना फैसला ले पाऊंगा।' यह बातचीत तब हुई जब एक प्रशंसक ने उत्साह से चिल्लाते हुए कहा, 'आपको खेलना ही होगा, सर' और इस तरह एमएस धोनी ने वापसी की उनकी तीव्र इच्छा व्यक्त की। अपने भविष्य के बारे में पूछे गए सवालो का जवाब देते हुए, एमएस धोनी ने अपने घुटनो के दर्द को मजाकिया अंदाज में बताया। धोनी ने जवाब दिया, 'अरे, घुटनों में जो दर्द होता है, उसका ख्याल कौन रखेगा।'

गौर है कि 2023 में सीएसके की खिताबी जीत के बाद, धोनी ने मुंबई में घुटने की सर्जरी करवाई। वह पूरे सीजन में अपनी चोट से जूझते रहे और 2024 सीजन की शुरुआत से पहले खुद को ठीक होने के लिए पर्याप्त समय देने के लिए उन्होंने टूर्नामेंट के बाद सर्जरी करवाने का फैसला किया। पिछले दो आईपीएल सीजन में उनकी घुटने की चोट उनके बल्लेबाजी क्रम में एक अहम भूमिका निभाती रही है, क्योंकि विकेट के बीच उनकी गति में कमी के कारण उन्होंने लगातार निचले क्रम में बल्लेबाजी की है।

निशानची से डेब्यू करने जा रहे ऐश्वर्य ने ली बाबिल खान की जगह

बॉलीवुड में नए चेहरों का आना कोई नई बात नहीं, लेकिन अगर किसी की पहली फिल्म रिलीज भी न हुई हो और वो एक और बड़ी फिल्म साइन कर ले, तो जाहिर है कि वो चेहरा खास है। हालांकि अभी इसे लेकर सिर्फ एक बज बना हुआ है कि ऐश्वर्य ठाकरे, जो जल्द ही अनुराग कश्यप की फिल्म 'निशानची' से बड़े पर्दे पर डेब्यू करने जा रहे हैं उन्हें एक और बड़ी फिल्म मिल गई है। खास बात ये है कि वो फिल्म की इसलिए चर्चाओं में हैं क्योंकि उसमें पहले दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान को कास्ट किया गया था। जिस फिल्म के बारे में हम बात कर रहे हैं वो है तेलुगु सुपरहिट फिल्म 'बेबी' का हिंदी रीमेक। इस फिल्म को लेकर सोशल मीडिया पर काफी बज बना हुआ है कि इसमें अब बाबिल खान की जगह ऐश्वर्य ठाकरे को कास्ट कर लिया गया है।

बाबिल खान ने क्यों छोड़ी फिल्म?

फिल्म 'बेबी' के हिंदी रीमेक की घोषणा के समय खबरें थीं कि बाबिल खान इसमें मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उनके फैंस इस खबर से काफी उत्साहित थे। लेकिन अचानक यह खबर आई कि बाबिल अब इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इसके पीछे की वजह एक इमोशनल वायरल वीडियो को बताया गया, जिसमें बाबिल ने अपने संघर्ष और मानसिक स्थिति को लेकर बात की थी। इस वीडियो के बाद उनकी निर्देशक के साथ बातचीत बिगड़ गई और दोनों के बीच प्रोफेशनल असहमति की बात सामने आई।

एक्टिंग से ब्रेक पर हैं बाबिल?

बाबिल खान की अब तक की फिल्में जैसे काला और द रेलवे मैन में उन्हें सराहना जरूर मिली है, लेकिन वह अभी भी अपनी पहचान को पुख्ता करने की कोशिश में हैं। ऐसे में किसी चर्चित फिल्म से बाहर होना उनके करियर के लिए झटका माना जा सकता है। कुछ सूत्रों का कहना है कि बाबिल एक छोटे ब्रेक पर हैं और जल्द ही किसी नई फिल्म के साथ वापसी करेंगे।

प्यार, कानून और धोखा, द ट्रायल के सीजन 2 के साथ फिर लौटीं काजोल

काजोल एक बार फिर अपने पुराने रूप में वापसी कर रही हैं, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा सख्त और मजबूत इरादों के साथ। 'द ट्रायल' के पहले सीजन में जब उन्होंने नोयोनिका सेनगुप्ता की भूमिका निभाई थी, तो दर्शकों ने उनकी खूब तारीफ की थी। अब इस बेहद चर्चित कोर्टरूम ड्रामा का सीजन 2 तैयार है और काजोल उसी किरदार में लौट रही हैं, जिसने उनके ओटीटी करियर को शानदार दिशा दी थी।

काजोल ने अनोखे ढंग से किया ऐलान

हाल ही में जब ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार ने सीजन 2 की घोषणा की, तो उसका तरीका भी बेहद खास था। वीडियो में काजोल गुस्से में नजर आती हैं और कहती हैं कि मैं तो लगातार काम कर रही हूं, फिर कितनी बार कमबैक करूंगी? लेकिन जब उन्हें क्यू कार्ड पलटने को कहा जाता है, तो उस पर लिखा होता है — मैं एक बार फिर द ट्रायल सीजन 2 के साथ लौट रही हूं। अभिनेत्री के इस वीडियो को देखने के बाद दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई। खासकर जब इस सीजन की टैगलाइन सामने आई और वो है प्यार, कानून और धोखा। इससे साफ हो गया कि इस बार कहानी और भी गहरी और टकराव और भी तीखा होने वाला है।
'द ट्रायल सीजन 2' को 19 सितंबर 2025 से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम किया जाएगा। पहले सीजन की तरह ही, इस बार भी कहानी कोर्टरूम और निजी जीवन के टकराव के इर्द-गिर्द घूमेगी। लेकिन सूत्रों की मानें तो इस बार नोयोनिका का किरदार और भी ग्रे और रियलिस्टिक होगा। जहां पहले वो अपने परिवार के लिए मजबूरी में कोर्ट लौटी थीं, वहीं अब वो एक पेशेवर और महिला के तौर पर खुद के लिए न्याय चाहती हैं। कहानी में इस बार सिर्फ रिश्तों की नहीं, बल्कि खुद से जंग की भी परतें खुलने वाली हैं।

दिलजीत दोसांझ की सरदार जी 3 की रिलीज पर वाणी कपूर ने रखी राय

पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान के साथ वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल इस साल पहलगाम हमले की वजह से रिलीज नहीं हो सकी। इस मामले के बाद दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3, जिसमें पाकिस्तानी कलाकार हानिया आमिर भी हैं को विदेशों में रिलीज किया गया। फिल्म की रिलीज पर काफी हंगामा हुआ। इसके बहिष्कार की मांग की गई। हाल ही में एक बातचीत में वाणी कपूर ने सरदार जी 3 का बचाव किया है। वाणी कपूर ने कहा मुझे याद है कि यह फिल्म पहलगाम हमले से पहले शूट की गई थी। ऐसे में मुझे लगता है कि अगर फिल्म रिलीज नहीं होगी तो निर्माता के पैसे फंस जाएंगे। मुझे लगता है कि इस फिल्म को बनाने में 100 से ज्यादा लोग लगे थे। जब फिल्म की शूटिंग हो रही थी तब हालात दूसरे थे।
दिलजीत वैश्विक स्टार हैं वाणी कपूर ने आगे कहा मुझे नहीं लगता कि उनका मकसद देश की बेहुरमती करना था। वह एक वैश्विक स्टार हैं। उन्हें विश्व स्तर पर देखा जाता है। उन्हें जो ठीक लगा उन्होंने वैसा काम किया। मुझे लगता है कि इससे कोई भी कानून नहीं टूटा है।

मुश्किलों में फंसी थी अबीर गुलाल

आपको बता दें कि इसी साल अप्रैल में फवाद खान और वाणी कपूर की फिल्म अबीर गुलाल मुश्किलों में फंस गई थी। इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार फवाद खान ने अभिनय किया था। यह फिल्म कश्मीर के पहलगाम में हमले के बाद विवादों में आई थी। लोगों का कहना था कि इस फिल्म में पाकिस्तानी कलाकार ने काम किया है और पाकिस्तानी आतंकियों ने ही पहलगाम में हमले को अंजाम दिया था। पाकिस्तानी हमले में कई पर्यटक मारे गए थे।

अमृता प्रीतम की बायोपिक करना सम्मान की बात होगी

बॉलीवुड अभिनेत्री दिव्या दत्ता बीते 31 साल से हिंदी फिल्मों में काम कर रही हैं। इसके अलावा वो पंजाबी, उर्दू, तमिल, मलयालम और अंग्रेजी सिनेमा में भी काम कर चुकी हैं। अब दिव्या फिल्म 'माया सभा' से तेलुगु फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रही हैं। बातचीत में उन्होंने अपने किरदार, इंडस्ट्री के अनुभव और फिल्मी सफर के बारे में बात की। आइए जानते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा।

तेलुगु में डेब्यू करने के लिए फिल्म 'माया सभा' को ही क्यों चुना?

मुझे लगा कि शुरुआत करने के लिए ऐसा प्रोजेक्ट होना चाहिए, जिसमें वजन हो। यह एक पॉलिटिकल ड्रामा है, पीरियड सेटअप में बनी हुई एक फिक्शनल स्टोरी है। हर किरदार की अपनी अहमियत है और मेरा किरदार भी बहुत खास है। ऐसा किरदार, जो बिना शोर मचाए खेल पलट सकता है।

वो समय कब आया, जब आपने तय किया कि अब सिर्फ वही काम करेंगे, जो दिल कहे?

आजा नचले के बाद मैंने एक साथ कई फिल्में साइन कर ली थीं। तभी आदित्य चोपड़ा से बात हुई। उन्होंने कहा, तुम बहुत अच्छी एक्टर हो, मशीन मत बनो। वो बात दिल को छू गई। मैंने खुद से सवाल किया.. क्या मैं सिर्फ डेट्स भर रही हूं या कहानियां जी रही हूं? उसके बाद मैंने कई फिल्में छोड़ीं और फिर दिल्ली-6 जैसी फिल्में आईं, जो मुझे बहुत करीब लगीं।

क्या कभी इंडस्ट्री में हीरोइन टाइप लुक का दवाब महसूस किया?

नहीं, कभी ऐसा नहीं लगा। करियर की शुरुआत में हीरो के साथ गाने भी किए हैं, रोमांस भी किया है, लेकिन फिर मुझे ट्रेन टू पाकिस्तान जैसी फिल्में मिलीं और श्याम बेनेगल जैसे निर्देशकों के साथ काम मिला। मैंने खुद वो रास्ता चुना जो अलग था और मुझे अच्छा भी लगा। मुझे हमेशा अलग कहानियां ही पसंद आई हैं।

अगर किसी की बायोपिक करनी हो तो किसे चुनेंगी?

अमृता प्रीतम। उनकी लेखनी, उनकी भावनाएं और उनकी बेबाकी ने मुझे हमेशा गहराई से प्रभावित किया है। वो सिर्फ कवयित्री नहीं थीं, वो एक सोच थीं, एक क्रांति थीं। उनका किरदार निभाना मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

ऐश्वर्या से तलाक के बाद मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं धनुष?

सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा रहा है, जिसमें धनुष एक पार्टी में मृणाल ठाकुर का हाथ थामे बातों में मशगूल हैं। वीडियो को देख उनके अफेयर की चर्चा शुरू हो गई है। धनुष का 2024 में ही पत्नी से तलाक हुआ। एक्टर धनुष का पत्नी ऐश्वर्या रजनीकांत से अप्रैल 2024 में तलाक हो गया था। हालांकि, कुछ महीने पहले दोनों बड़े बेटे यत्र के स्कूल की ग्रेजुएशन सेरिमनी में साथ दिखे थे। धनुष और ऐश्वर्या अपनी-अपनी जिंदगी में बिजी हैं, पर बच्चों के लिए साथ आ जाते हैं। इसी बीच खबरें हैं कि धनुष एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर को डेट कर रहे हैं। दोनों को कई इवेंट्स में साथ में स्पॉट किया गया, जिसके बाद उनकी डेटिंग की अफवाहें शुरू हो गईं। एक्टर धनुष हाल ही मृणाल ठाकुर की बर्थडे पार्टी में शामिल हुए थे, और अब उस पार्टी का अंदर का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें धनुष ने मृणाल ठाकुर का हाथ पकड़ा हुआ है और बात कर रहे हैं। इसी वीडियो को देख फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। यह वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा है।

धनुष की फिल्म की पार्टी में नजर आई थीं मृणाल ठाकुर

इससे पहले 3 जुलाई को मृणाल ठाकुर, धनुष की फिल्म तेरे इश्क में की पार्टी में नजर आई थीं, जिसे राइटर और प्रोड्यूसर कनिका ढिल्लन ने रखा था। कनिका ने बाद में कुछ तस्वीरें शेयर की की थीं, जिनमें वह, मृणाल ठाकुर और धनुष साथ में पोज देते नजर आए थे। हालांकि, अभी तक धनुष या मृणाल ठाकुर, दोनों में से किसी ने भी अफेयर की खबरों पर रिएक्ट नहीं किया है।

मृणाल ठाकुर का इन एक्टर्स संग जुड़ा नाम, धनुष का हो चुका तलाक

जहां मृणाल ठाकुर अनमैरिड और सिंगल हैं, पर उनका नाम कई एक्टर्स के साथ जोड़ा गया। इनमें बादशाह से लेकर सिद्धांत चतुर्वेदी, कुशाल टंडन, अर्जित तनेजा और शरद त्रिपाठी का नाम शामिल है। वहीं धनुष ने रजनीकांत की बेटी ऐश्वर्या से शादी की थी। लेकिन 18 साल की शादी के बाद धनुष और ऐश्वर्या ने साल 2022 में अलग होने का ऐलान कर दिया था। इसके बाद अप्रैल 2024 में धनुष और ऐश्वर्या का तलाक हो गया था।

अपनी एक्टिंग जर्नी पर बोले संग्राम

हाल ही में रेसलर संग्राम सिंह ने अमर उजाला डिजिटल से अपनी पर्सनल, प्रोफेशनल जिंदगी को लेकर लंबी बातचीत की। आखिर रेसलिंग से उनका फिल्मी और टीवी की दुनिया की तरफ कैसे आना हुआ? वह रेसलिंग से जुड़ी एक फिल्म का हिस्सा बने थे, उसका आखिर क्या हुआ? अपने करियर से जुड़ी और भी कई बातें संग्राम सिंह ने साझा की हैं।

संग्राम सिंह टीवी की दुनिया में शामिल होने के अपने शुरुआती दिनों के बारे में बताते हैं। वह कहते हैं, 'मैं रेसलिंग से होते हुए टीवी और फिल्मों की दुनिया में आया। शुरुआत में लोग मुझे सिर्फ मजाक उड़ाने वाला लड़का मानते थे। लेकिन धीरे-धीरे जब मेरा काम दिखने लगा तो वही लोग सराहने लगे। मैं उस वक्त साउथ अफ्रीका से प्रो रेसलिंग की ट्रेनिंग लेकर लौटा। कुछ वक्त के बाद 'बिग बॉस' रियलिटी शो में पहुंचा, जहां देश के नामी लोग थे। उस मंच पर सलमान खान ने मेरे स्ट्रगल का जिक्र किया, वो मोमेंट मेरे लिए एक टर्निंग प्वाइंट था।'

मैं सिर्फ सच्चाई के साथ खड़ा होता हूं

संग्राम सिंह ने कुछ वक्त में ही अपने लिए टीवी की दुनिया में पहचान बना ली थी, इसकी वजह उनकी सच्चाई थी। वह कहते हैं, 'सर्वाइवर शो में जब लोगों से पूछा गया कि लीडर कौन हो सकता है? तो सबने मेरा नाम लिया। मैं कभी भेदभाव नहीं करता हूं। हमेशा सच्चाई के साथ खड़ा रहता हूं। उसी शो में पायल से मुलाकात हुई, जिसने मेरे स्ट्रगल के पीछे की सच्चाई को पहचाना।'

फिल्म नहीं बनी लेकिन मेरा भरोसा बना रहा

संग्राम सिंह ने रियलिटी शो के बाद एक फिल्म पर काम करना शुरू किया, जो बन नहीं सकी। इस अनुभव पर वह कहते हैं, 'मेरी जिंदगी में श्याम बाबू एक मिरकल की तरह आए। कोई जान-पहचान वाला था, जिसने कहा कि एक फिल्म बन रही है। इंडिया के पहले रेसलर पर और तुम्हें बात करनी चाहिए। मुझे उस वक्त तक कुछ भी अंदाजा नहीं था, न सिनेमा के मायने, न कैमरे के सामने खड़े होने की समझ। मैं उस फिल्म के लिए इंडिया का पहला ब्रांड एंबेसडर और स्पीकर बना। फैमिली वेलफेयर से लेकर एंटरटेनमेंट तक की बात उस एक मीटिंग में हुई। लेकिन श्याम बाबू ने मुझसे एक वादा लिया कि मैं अगले कुछ साल सिर्फ इस प्रोजेक्ट पर फोकस करूंगा और कोई दूसरा काम नहीं करूंगा। मैंने हां कर दिया और वहीं से एक नई शुरुआत हुई।

तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया

संग्राम सिंह आगे बताते हैं, 'नितिन देसाई जी प्रोजेक्ट से जुड़ गए, एक बड़ी टीम तैयार होने लगी, फिल्म अनाउंस हो गई, नाम आने लगे, न्यूज में मेरी चर्चा होने लगी। लेकिन फिर किसी कारण से वो फिल्म रुक गई। कोई और होता तो टूट जाता, लेकिन मेरे पास टूटने का विकल्प कभी था ही नहीं। तीन साल तक कोई कमाई नहीं हुई। मैं हर रोज अपनी सेविंग्स से ही जिंदगी चला रहा था और खाली समय में मराठी, अभिनय और टेक्निकल चीजें सीखनी शुरू कर दीं। मुझे यह तक नहीं पता था कि कैमरे की लाइट कैसी होती है या डायलॉग कैसे बोलते हैं। लेकिन मैं सीखने में लगा, क्योंकि मुझे खुद पर भरोसा था। तीन साल की मेहनत, सेविंग्स, उम्मीद...सब खत्म हो गया था। लेकिन मैंने हिम्मत नहीं छोड़ी।

सिर्फ वो फिल्म करता हूं जो आत्मा से जुड़ती है

आगे भी संग्राम सिंह को फिल्म ऑफर होती हैं, उन्हें किस आधार पर सेलेक्ट करते हैं? यह पूछने पर वह कहते हैं, 'जब फिल्म नहीं बनी तो मैंने एक गाना किया। आगे भी प्रोजेक्ट्स आए, फिर रुके, फिर लौटे। एक फिल्म करने वाले थे, सुपरस्टार के साथ कुश्ती का सीन था। मैंने मना कर दिया क्योंकि अब मैं समझ चुका था कि सिनेमा सिर्फ शोहरत नहीं है, जिम्मेदारी है। कुछ लोग तो आए जिन्होंने 30-50 लाख देने की बात कही। लेकिन मैं सोचता था, अगर कहानी में जान नहीं है, तो पैसा किस काम का? मैं वो फिल्में करना चाहता था जो जिंदगी बदलें, कम से कम किसी एक की।' अब जब लोग स्क्रिप्ट लाते हैं, तो मैं सबसे पहले ये सोचता हूं कि क्या मैं इस कहानी में अपना सच देखता हूं? क्या ये मेरी आत्मा से मेल खाती है? अगर हां, तो मैं सब कुछ छोड़कर वो करता हूं। वरना मैं गर्मियों में उन लोगों को पानी पिलाता हूं, सर्दियों में रस और चुपचाप अलविदा कह देता हूं।'

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा एजीएस पब्लिकेशंस एफ 23, सेक्टर 6, गौतम बुध नगर, उत्तर प्रदेश 201301 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर, पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 2442 42 से प्रकाशित।
संपादक- अनुज कुमार, R.N.I.No.- UPHIN/25/RAA18, मो0.945688 4327 , E-mail- officialsabkasapna@gmail.com, www.sabkasapna.com नोट- समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।